संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 70
पृष्ठ 8
गुरुवार
27 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- खाने को ठीक से न चबाने की....

विचार- माऊस के सामने पैन को भूल गए ...

खेल- गुवाहाटी टेस्ट में भारत की घुटने...

संविधान दिवस : सीएम योगी बोले-

हमारा संविधान सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक

- हर व्यस्क नागरिकों को मताधिकार दिया गया
- विकसित भारत का सपना साकार कर सकेंगे

लखनऊ, संवाददाता। 76वें संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजन हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी राज्य के कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार भी शामिल रहा। यहां संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ और शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। न्याय, समता और बंधुता भारत के संविधान की मूल भावना हैं। 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की अद्भुत दृष्टि, प्रखर विचार और अथक परिश्रम से निर्मित हमारा संविधान विश्व के सबसे सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है। संविधान, राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति का आधार होने के साथ ही हर नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर भी प्रदान करता है। सीएम योगी ने कहा, भारत इकलौता देश है जहां पहले दिन से ही हर व्यस्क नागरिकों को मताधिकार दिया गया है। 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत हुआ था और 2015 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में इसे संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। संविधान सभा ने 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में इसे तैयार किया, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद अध्यक्ष थे और डॉ. अम्बेडकर की ड्राफ्टिंग कमेटी की भूमिका अहम रही। आज लोग स्वतंत्रता की कीमत भूलते जा रहे हैं। क्रूर यातनाएं न देखने–सहने के कारण हर व्यक्ति सिर्फ अधिकार की बात करता है, जबकि अधिकार तभी सुरक्षित होते हैं जब हम कर्तव्यों का पालन करें। कर्तव्यहीनता से लोकतंत्र कमजोर होता है और तानाशाही पनपती है। सीएम योगी ने कहा, संविधान का अपमान मतलब बाबा साहेब अम्बेडकर, स्वतंत्रता सेनानियों और देश की आधी आबादी का अपमान है। कर्तव्यों का पालन कर ही हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना साकार कर सकेंगे।हर संस्था, पंचायत में ऐसे आयोजन करके संविधान की प्रस्तावना का वाचन करने का प्रयास हुआ है। 2015 में संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने कहा था कि हममें से हर व्यक्ति स्वतंत्र भारत का नागरिक है। लेकिन स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है, क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है। अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता। जहां कर्तव्य के बिना अधिकार प्राप्त करने का प्रयास किया गया है, वहां पर लोकतंत्र नहीं है, बल्कि वहां तानाशाह, व्यवस्था को गिरफ्त में लेकर आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को रौंदते दिखते हैं। सीएम योगी ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भारत ने इसे सर्वोपरि मानकर सम्मान दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व प्रतीकों को सम्मान दिया और जिन मूल भावनाओं पर भारत का संविधान बना है, उसे जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया। जब कोई देश मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए बढ़ता है तो उसे विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता। आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम मोदी ने देशवासियों के सामने विकसित भारत की संकल्पना रखी। इसके लिए पीएम मोदी ने 2022 में कहा था कि जब देश आजादी के 100वें वर्ष में जाएगा, तब हमें कैसा भारत चाहिए इसके लिए काम करना होगा। उन्होंने विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लिए हर देशवासियों से पंचप्रण के साथ जुड़ने का आह्वान किया। सीएम ने पंच प्रण का जिक्र करते हुए कहा कि हर व्यक्ति गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो। यूनिफॉर्म धारी सेना–अर्धसेना, पुलिस बल के जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखे। सीएम योगी ने कहा कि यदि कोई एक व्यक्ति गलती करता है तो उसके लिए पूरी व्यवस्था को नहीं कोसा जाना चाहिए, बल्कि गलती के परिमार्जन का अवसर देना चाहिए। कोई बार–बार गलती करता है तो परिमार्जन का अवसर देते हुए प्रभावी कदम उठाने के लिए कहना चाहिए। उसके लिए पूरे सिस्टम को दोषी नहीं ठहरा सकते।

संवीधान दिवस: मोदी की अपील नागरिकों से अपील

अपने कर्तव्यों को सबसे पहले रखे

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संविधान दिवस के मौके पर नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को सबसे पहले रखें क्योंकि भारत अब एक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। श्री मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर देश के नागरिकों को पत्र लिखकर 1949 में संविधान को ऐतिहासिक रूप से अपनाए जाने का स्मरण करते हुए राष्ट्र की प्रगति में इसकी स्थायी भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में सरकार ने इस पवित्र दस्तावेज़ के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया था। श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि कैसे संविधान ने साधारण पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को उच्चतम स्तर पर राष्ट्र की सेवा करने के लिए सशक्त बनाया है और संसद तथा संविधान के प्रति अपने सम्मान के अनुभव साझा किए। उन्होंने वर्ष 2014 में संसद की सीढ़ियों पर झुकने और 2019 में सम्मान के प्रतीक के रूप में संविधान को अपने माथे पर धारण करने का स्मरण किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संविधान ने असंख्य नागरिकों को सपने देखने और उन सपनों को साकार करने की शक्ति प्रदान की है। प्रधानमंत्री ने संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर और कई प्रतिष्ठित महिला सदस्यों को याद किया, जिनकी दूरदर्शिता ने संविधान को समृद्ध बनाया। उन्होंने संविधान की 60वीं वर्षगांठ के दौरान गुजरात में आयोजित संविधान गौरव यात्रा तथा इसकी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित संसद के विशेष सत्र और राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जिनमें रिकॉर्ड जन भागीदारी देखी गई। प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस वर्ष का संविधान दिवस विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सरदार वल्लभभाई पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ और श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत की वर्षगांठ के साथ मेल खाता है। श्री मोदी ने कहा कि ये व्यक्तित्व और मील के पत्थर हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाते हैं, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 51ए में निहित है। उन्होंने महात्मा गांधी के इस विश्वास को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के पालन से निकलते हैं। श्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कर्तव्यों को पूरा करना सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। श्री मोदी ने भविष्य की ओर देखते हुए कहा कि इस सदी की शुरुआत के 25 वर्ष व्यतीत हो चुके हैं, और केवल दो दशकों में भारत औपनिवेशिक शासन से आजादी के 100 वर्ष पूरे कर लेगा।

मथुरा में दुर्लभ वन्य जीवों के अंगों की तस्करी के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा में दुर्लभ वन्य जीवों की हत्या कर उनके अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग के मुताबिक आरोपी गोवर्धन क्षेत्र में वन्यजीवों के अंगों की सौदेबाजी करने पहुंचे थे। मथुरा के वन विभाग ने दिल्ली में स्थित वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो से मिली खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। वन अधिकारी ने बताया कि सोमवार को सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिन की हिरासत में भेज दिया। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) वेंकटेश श्रीकर पटेल ने बताया कि दिल्ली में स्थित वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) से मिली जानकारी के आधार रविवार की रात टीम बनाकर राधाकुंड परिक्रमा मार्ग पर ग्राहक बनकर तस्करों से संपर्क किया गया। पटेल ने कहा कि वहां टीम को फिरोजाबाद के नारखी के निवासी संजय कुमार व वीरेंद्र सिंह तथा कासगंज के विकास कुमार वन्य जीवों के अंग बेचते हुए मिले। अधिकारी ने बताया कि उनसे उल्लू के नाखून और 'मॉनीटर लिजार्ड' के अंगों का सौदा किया गया था। पटेल ने कहा कि जैसे ही तीनों तस्कर अंगों की आपूर्ति के लिए पहुंचे, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि उनके कब्जे से उल्लू के 14 नाखून व मॉनीटर लिजार्ड के 50 अंग बरामद हुए। पटेल ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

गुजरात के साबरकांठा में ट्रक ने रोड रोलर को मारी टक्कर, चार लोगों की मौत

साबरकांठा, एजेंसी। गुजरात के साबरकांठा जिले में बुधवार आधी रात के बाद तेज रफ्तार ट्रक ने रोड रोलर को टक्कर मार दी जिससे तीन मजदूरों और एक इंजीनियर की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मोतीपुरा औद्योगिक क्षेत्र के पास एक होटल के सामने हुई। ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया। ए डिवीजन थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, ट्रक ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरम्मत कार्य में लगे एक रोड रोलर को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

संविधान राष्ट्रीय अस्मिता का ग्रंथ, इसे आत्मसात कर संसद ने जन आकांक्षाओं को अभिव्यक्त किया : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान को राष्ट्रीय अस्मिता और पहचान का ग्रंथ बताते हुए कहा है कि बीते दशक में हमारी संसद ने इसके मूल्यों पर चलते हुए जन आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने के अनेक कार्य किये हैं। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां संविधान दिवस के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में अपने अभिभाषण में कहा कि संविधान सभा ने संसदीय प्रणाली को अपनाने के पक्ष में जो ठोस तर्क दिये गए थे वे आज भी प्रासंगिक हैं। विश्व के विशालतम लोकतन्त्र में जन–आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने वाली भारतीय संसद, विश्व के अनेक लोकतंत्रों के लिए आज एक उदाहरण के रूप में प्रतिष्ठित है। उन्होंने कहा ,ष हमारे संविधान निर्माता चाहते थे कि संविधान के माध्यम से हमारा सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान सुनिश्चित रहे। मुझे यह कहते हुए बहुत प्रसन्नता होती है कि बीते दशक में हमारी संसद ने जन–आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने के अत्यंत प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि संविधान निर्माताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए वह सभी सांसदों को बधाई देती हैं और कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से संविधान सभा के परम सम्माननीय सदस्यों की स्मृति में सादर नमन करती हैं। उन्होंने कहा कि संविधान की अंतरात्मा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता जैसे आदर्शों में अभिव्यक्त होती है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि इन सभी आयामों पर संसद सदस्यों ने संविधान निर्माताओं की परिकल्पनाओं को यथार्थ स्वरूप प्रदान किया है। संसदीय प्रणाली की सफलता के ठोस प्रमाण के रूप में, आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेज गति से अग्रसर है। भारत में लगभग 25 करोड़ लोगों के गरीबी की सीमारेखा से बाहर आने से आर्थिक न्याय के पैमाने पर विश्व की सबसे बड़ी सफलता अर्जित हुई है। राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में सामाजिक न्याय के आदर्श के अनुरूप देश में समावेशी विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्नारी शक्ति वंदन अधिनियमश लागू होने से महिलाओं के नेतृत्व में विकास के एक नए युग का आरंभ होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सात नवंबर से राष्ट्र–गीत श्वन्दे मातरम्श की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में देशव्यापी स्मरणोत्सव मनाए जा रहे हैं। यह स्मरणोत्सव भारत माता को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प का अवसर है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इस राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि के लिए आप सभी सदस्यगण देशवासियों को दिशा और प्रेरणा प्रदान करेंगे।

मंत्रिमंडल ने 9,858 करोड़ रुपये की लागत से पुणे मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बताया कि सरकार ने 9,858 करोड़ रुपये की लागत से पुणे मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत लाइन 4 (खराड़ी–हडपसर–स्वारगेट–खड़कवासला) और लाइन 4ए (नल स्टॉप–वारजे–माणिक बाग) को मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि लाइन 2ए (वनाज–चांदनी चौक) और लाइन 2बी (रामवाड़ी–वाघोली/विट्ठलवाड़ी) को मंजूरी मिलने के बाद, दूसरे चरण के तहत स्वीकृत यह दूसरी बड़ी परियोजना है। कुल 28 'एलिवेटेड' स्टेशनों के साथ 31.636 किलोमीटर लंबी, लाइन 4 और 4ए पूर्व, दक्षिण और पश्चिम पुणे में आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय समूहों को जोड़ेगी। यह परियोजना पांच वर्षों में पूरी होगी और इसकी अनुमानित लागत 9,857.85 करोड़ रुपये होगी।

कर्नाटक सीएम कुर्सी का घमासान: खड़गे बोले- आलाकमान सुलझाएगा, राहुल-सोनिया से होगी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ शीर्ष स्तर पर चर्चा के बाद इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वहाँ की जनता ही बता सकती है कि सरकार क्या कर रही है। लेकिन मैं यह कहना चाहूँगा कि हम ऐसे मुद्दों को सुलझा

लेंगे। हाईकमान के लोग – राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मैं एक साथ बैठकर इस पर विचार–विमर्श करेंगे... हम आवश्यक मध्यस्थता करेंगे। कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद राज्य में सीएम बदलने की सुगबुगाहट के बीच हाल के हफ्तों में पार्टी के भीतर सत्ता की खींचतान तेज हो गई है। ऐसा 2023 में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच कथित सत्ता–साझाकरण समझौते की पृष्ठभूमि में हो रहा है। खड़गे की टिप्पणी कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के चेहरे में बदलाव की बढ़ती अटकलों के बीच आई है, जो सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच 2023 के ष्सत्ता–साझाकरण समझौतेष् से प्रेरित है, जिसका राजनीतिक हलकों में अक्सर उल्लेख किया गया है। इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कांग्रेस आलाकमान के फैसले को स्वीकार करेंगे और उसके अनुसार काम करेंगे।

भाजपा सांसद कंगना का आरोपः विपक्ष घुसपैठियों पर मेहरबान, देश 'कैंसर' से मुक्त होना चाहता है

भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने बुधवार को कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर विपक्ष की धमकियाँ काम नहीं आएंगी। उन्होंने आगे कहा कि लोगों ने पूरे देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने का फैसला कर लिया है। मंडी से लोकसभा सांसद कंगना रनौत ने यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मेरे साथ खेलने की कोशिश मत करो टिप्पणी के जवाब में की, क्योंकि टीएमसी सुप्रीमो विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर भाजपा नीत केंद्र और भारत के चुनाव आयोग पर लगातार हमला बोल रही हैं। एएनआई से बात करते हुए, कंगना ने कहा कि देश ऐसी धमकियों से नहीं डरने वाला है और पूरा देश इन घुसपैठियों से मुक्ति चाहता है। जैसे शरीर में कैंसर होता है, वैसे ही पूरा देश घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार की तीखी आलोचना करते हुए दावा किया कि हालाँकि राज्य में चुनाव अभी शुरू होने बाकी हैं, लेकिन टकराव शुरू हो चुका है। बनगांव में एक रैली में बोलते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्हें हेलीकॉप्टर का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनके आगमन में देरी हुई। उन्होंने भाजपा को चेतावनी दी कि उनसे प्रतिद्वंद्वी बनने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। इस बीच, राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान पर, भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, पाकिस्तान घबरा रहा है क्योंकि वे दिन–ब–दिन डूब रहे हैं। वे भीख का कटोरा बन गए हैं, और हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और जल्द ही पहली सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएँगे।

छत्तीसगढ़ में 41 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष हथियार डालकर किया आत्मसमर्पण

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के अत्यधिक नक्सल प्रभावित बीजापुर जिला में बुधवार का दिन सुरक्षा अभियानों और पुनर्वास नीति की ऐतिहासिक उपलब्धि का रहा जब 41 सक्रिय माओवादी कैडरों ने लंबे समय तक चली हिंसक, क्रूर और जनविरोधी विचारधारा को छोड़कर भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक पुनर्समावेशन में आस्था व्यक्त करते हुए आत्मसमर्पण किया। दक्षिण बस्तर, विशेष रूप से बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा के घने जंगलों में दशकों से सक्रिय प्रतिबंधित माओवादी संगठन के लिए यह समर्पण इसलिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इन कैडरों पर कुल मिलाकर एक करोड़ 19 लाख रुपये का इनाम घोषित था और इनमें संगठन के दक्षिण सब–जोनल ब्यूरो के 39 सदस्य शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारों के मुताबिक हाल के वर्षों में माओवादी गतिविधियों, हथियार मूवमेंट, टैक्टिकल ऑपरेशन, सप्लाई नेटवर्क, मिलिशिया ढांचे, जनताना सरकार, पीएलजीए बटालियन और एरिया कमेटी में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाले सदस्य जब मुख्यधारा में लौटते हैं, तो यह केवल एक कार्यक्रम नहीं होता, बल्कि यह एक वैचारिक ढांचे के क्षरण का प्रतीक बन जाता है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से बुधवार को मिली जानकारी के मुताबिक, समर्पण करने वालों में 12 महिला और 29 पुरुष कैडर शामिल रहे, जो दक्षिण बस्तर दंडकारण्य स्पेशल जोन कमेटी (डीकेएसजेडसी) के अलावा ते लंगाना स्टेट कमेटी, धमतरी–गरियाबंद–नुआपाड डिवीजन, पश्चिम बस्तर सप्लाई टीम, डीके जोन और विभिन्न आरपीसी मिलिशिया समूहों में सक्रिय थे।

प्रयागराज में क्रिकेटर दुल्हन बारात लेकर दूल्हे के घर पहुंचीं

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में नेशनल लेवल की क्रिकेट खिलाड़ी ने अलग अंदाज में बारात निकाली। दुल्हन तनु अपनी बारात लेकर दूल्हे के घर पहुंची। तनु बग्घी पर सवार

होकर 2 किमी तक डांस करते हुए गईं। इस अनोखी बारात को देखने के लिए कोई सड़क किनारे खड़ा हो गया तो कोई बालकनी से निहारते रहा। हर शख्स वीडियो बनाता दिखा। प्रयागराज के कीडगंज निवासी राजेश जायसवाल की पांच बेटियां हैं। बेटा न होने से उन्होंने अपनी दोनों बेटियों तनु और मनु को बचपन से बेटों की तरह पाला। तनु नेशनल लेवल क्रिकेट खिलाड़ी रही हैं। मनु टेनिस प्लेयर रहीं और इस समय रेलवे में नौकरी कर रही हैं। सोमवार को जब तनु की शादी हुई तो उन्होंने बेटे को तरह ही अपनी बेटी की बारात निकाली। सभी डांस करते हुए दूल्हे मुट्ठीगंज में दूल्हे रजत के घर पहुंचे। तनु ने 2013 से क्रिकेट खेलना शुरू किया था। अंडर–19 और अंडर–20 खेल चुकी हैं। जिला, मंडल, स्टेट और नेशनल लेवल तक खेला है। नेशनल लेवल पर खेलने के लिए इंदौर भी गईं। मंडल लेवल पर आगरा, चित्रकूट और झांसी में मेडल भी जीती हैं।

प्रयागराज में तैराक दारोगा का डांस

प्रयागराज (संवाददाता)। सोशल मीडिया पर एक बार फिर प्रयागराज के रीलबाज दरोगा चंद्रदीप निषाद सुर्खियों में हैं। कभी गंगा की बाढ़ का फूलदूध से स्वागत कर चर्चा में आए तैराक दरोगा का अब एक नया वीडियो इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है। इस वीडियो में

वे सूट–बूट पहनकर, कमर में सर्विस पिस्टल लगाकर एक समारोह में दिल खोलकर डांस करते दिखाई देते हैं। मंच पर बॉलीवुड गानों की धुन बजती है और दरोगा चंद्रदीप स्टेप–टूटूस्टेप लोगों का मनोरंजन करते नजर आते हैं। दर्शकों की तालियां और हूटिंग वीडियो को और भी आकर्षक बना देती है। यह पहला मौका नहीं है जब दरोगा चंद्रदीप अपने किसी अलग अंदाज की वजह से चर्चा में आए हों। प्रयागराज में आई भयावह बाढ़ के दौरान उन्होंने अपने घर के दरवाजे पर वर्दी में खड़े होकर दूध और फूल से मां गंगा का स्वागत किया था। यह वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ था। इसके बाद उन्होंने घर की ऊपरी मंजिल से बाढ़ के पानी में छलांग लगाकर सुर्खियां बटोरीं थीं। तैराकी में महारत रखने वाले इस दरोगा के वीडियो पर लाखों व्यूज मिल चुके हैं। दारागंज कस्बे के रहने वाले सब–इंस्पेक्टर (SI) चंद्रदीप निषाद उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात हैं। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग इलाहाबाद हाई कोर्ट सुरक्षा में है। ड्यूटी के साथ–साथ सोशल मीडिया गतिविधियों के लिए वे लगातार चर्चा में बने रहते हैं। उनकी छवि एक फिट, एक्टिव और एथलेटिक पुलिसकर्मी की है, जो अक्सर अपनी लाइफस्टाइल और ट्रेनिंग से जुड़े वीडियो शेयर करते हैं।

प्रयागराज में छात्र–छात्राओं ने निकाली शोभायात्रा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में छात्र–छात्राओं ने शोभायात्रा निकाली। बैंड बाजा के साथ हाथों तिरंगा लेकर निकले स्कूलों के छात्रों का जगह जगह स्वागत हुआ। आयोजन आर्य कन्या शिक्षण समूह और जयसवाल बुद्धिजीवी परिषद के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। मौका था डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल के नाम पर होने वाली सड़क का नामकरण एवं मूर्ति स्थापना का।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कै वै, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा खुलने की तिथि के, 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं :-

ई निविदा सूचना संख्या : GEM/2025/B/6926506 Date : 24.11.2025

कार्य का नाम : मासिक आधार पर कैब और टैक्सी किराये पर लेने की सेवाएँ - एसयूवी, 2500 किमी x720 hrs., Outstation 24*7, Non-AC

निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	कार्य का अनुमानित लागत (रू. में) : ₹ 1247760.00
बिड सिक्योरिटी : ₹ 24960.00	कार्य की अवधि : 02 Year
निविदा खुलने की तिथि : 16.12.2025	GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 24.11.2025

ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य : Nil (As per para-iv of rule 161 of GFR-2017)

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.GeM.gov.in पर टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरो को चाहिये कि वे अपने आप को GeM की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रमाण पत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 4. ई-टेंडर फॉर्म सभी निविदाकारों को निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए GeM की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 6. आनलाइन निविदा टेण्डर खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।

2272/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: PRYJ/Br/L/2025-26-05 दिनांक : 21.11.2025

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इन्जी./ब्रिज/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 16.12.2025 को 14:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 2025-07, कार्यों का विवरण: उ.म. रेलवे के प्रयागराज मण्डल के मनौरी (3.05मी. चौड़े), भरवारी (6.10मी. चौड़े) और अछल्दा (3.06मी. चौड़े) रेलवे स्टेशनों पर स्थित पुरानें फुट ओवर ब्रिज को नये फुट ओवर ब्रिज से बदलने का कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 17,30,07,988.50	बयाने की रकम (₹): ₹ 10,15,000/-
कार्य समापन की अवधि : 18 माह	निविदा खुलने की तिथि : 16.12.2025

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: फैब्रिकेशन एण्ड इरेक्शन/लांचिंग आफ स्टील ब्रिजेज/एफ.ओ.बी.।

नोट: (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 14:30 बजे तक निविदा खुलने की तिथि दिनांक 16.12.2025 तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (5) बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेट वे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। (6) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (7) आन लाइन निविदा दिनांक 16.12.2025 को 14:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (8) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (9) निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी।

2267/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

माफिया अतीक के छोटे बेटे का वीडियो, गाना बजाया

तूफान और हम जब भी आते हैं, मां कसम... फाड़ के जाते हैं

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद का एक वीडियो सामने आया है। एक शादी समारोह में शामिल हुए अबान का वीडियो रील के रूप में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। इसमें एक धमकी भरा डायलॉग भी जोड़ा गया।

रील के बैकग्राउंड में एक गाना लगाया गया है। गाना है– सामने वाले को हमसे क्या मिलेगा, ये उसकी औकात बताएगी... हम दिल भी रखते हैं और असलहा भी...हम कुत्तों की तरह पीछे से वार नहीं करते, सामने से फाड़ देते हैं... तूफान और हम जब भी आते हैं, मां कसम... फाड़ के जाते हैं।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अतीक–अशरफ के मारे जाने के बाद भी अतीक का सबसे छोटा बेटा अबान दहशत फैलाने से पीछे नहीं है। एक यूजर ने लिखा– रस्सी जल गई, लेकिन ऐंठन नहीं गई। एक अन्य ने लिखा– योगी जी को पता चला तो ऐसा फाड़ेंगे कि टुकड़े भी नहीं मिलेंगे।

अबान अतीक अहमद का 5वां और सबसे छोटा बेटा है। उससे बड़ा चौथे नंबर का बेटा अहजम है। दो भाई उमर और अली जेल में हैं। तीसरे भाई

असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो चुकी है। उमेश पाल हत्याकांड के समय अबान और अहजम दोनों नाबालिग थे।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद अबान और अहजम को चकिया में लावारिस हालत में घूमते मिलने का दावा करते हुए पुलिस ने राजरूपपुर बालगृह में भेजा था। दोनों वहां 221 दिन तक रहे। 4 अक्टूबर, 2023 को अहजम बालिग हो गया। 9 अक्टूबर, 2023 को बाल कल्याण समिति के आदेश पर दोनों भाइयों को उनकी बुआ परवीन कुरैशी के हवाले किया गया।

इसके बाद दोनों भाई सीधे पिता और चाचा की कब्र पर गए थे। फिर दोनों शहर में नहीं देखे गए। तबसे आज अबान का वीडियो सामने आया है। रिहा होने के बाद से दोनों हटवा में एक रिश्तेदार के घर रह रहे हैं। दोनों को पुलिस सुरक्षा भी मिली है।

अबान के शादी समारोह वाले वीडियो ने कई सवाल खड़े कर दिए। सुरक्षा में होने के बावजूद वह कैसे लग्जरी गाड़ियों के काफिले में घूमते दिखाई दे रहा? सोशल मीडिया पर धमकी भरे डायलॉग वाली रील किसने और किस मकसद के साथ बनाई? इसकी पुलिस जांच कर रही है।

17 सितंबर, 2025 को अबान सुधारगृह से छूटने के बाद पहली बार नजर आया था। अबान 3 कारों के काफिले के साथ नैनी सेंट्रल जेल में बंद अपने भाई अली से मिलने पहुंचा था। इसका वीडियो भी सामने आया था। इस मुलाकात के 14 दिन बाद यानी 1 अक्टूबर को अली की जेल बदल दी गई थी। उसे प्रयागराज से 420 किमी दूर झांसी भेज दिया गया था।

वहीं, वीडियो में अबान के हावभाव पूरी तरह बदले दिख रहे थे। सुधारगृह से छूटने के करीब 2 साल बाद अबान काफी मोटा दिख रहा था। उसने दाढ़ी भी रख ली। शर्ट, जींस और स्पोर्ट्स शू पहने अबान सफेद अंगौछा डाले जेल पहुंचा था।

वीडियो और फोटो न बनें, इसलिए वह अंगौछे से अपने चेहरे को बार–बार ढकते हुए जेल गेट की तरफ बढ़ता दिखा था। उसके साथ वकील भी थे, जो वीडियो बनाने वाले को मना करते थे कि ऐसा न करें।

15 अप्रैल, 2023 की शाम करीब साढ़े 6 बजे अतीक और अशरफ से धूमनगंज थाने में एसटीएफ और यूपी एटीएस ने पूछताछ की। रात साढ़े 8 बजे उमेश पाल हत्याकांड में इस्तेमाल किए गए हथियार को बरामद करने दोनों को कसारी–मसारी के जंगल ले जाया गया। वहां से दो पिस्टल मिलीं। एक अमेरिकी पिस्टल थी। 55 कारतूस भी मिले।

इसके बाद अतीक–अशरफ को कॉल्विन हॉस्पिटल ले जाया गया। रात साढ़े 10 बजे दोनों को गाड़ी से उतारा गया। उनके हाथ में हथकड़ी थी। अतीक से एक पत्रकार ने पूछा– आप दोनों असद के जनाजे में क्यों नहीं गए? अतीक ने कहा– नहीं ले गए तो नहीं गए। इतना कहने के बाद वह चुप हो गया।

दबाव में एयू के चीफ प्रॉक्टर ने इस्तीफा दिया

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों के आंदोलन के बाद प्रशासन बैकफुट पर आया तो इसका असर भी दिखा। चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश सिंह ने इस्तीफा दे दिया है।

प्रो. राकेश सिंह निलंबन वापसी के फैसले से नाराज थे। वह नहीं चाहते थे कि जिन छात्रों पर कार्रवाई हुई है, उसे वापस लिया जाए। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने निलंबन निरस्त कर दिया। इसके बाद प्रो. सिंह ने कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव को व्यक्तिगत तौर पर इस्तीफा भेज दिया। हालांकि आधिकारिक रूप से वे बुधवार को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। वहीं, प्रो केएन उत्तम को कार्यवाहक चीफ प्रॉक्टर बनाया गया है।

दरअसील, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं के आंदोलन के करीब 35 घंटे बाद उनकी जीत हुई। निलंबित छात्रों का निलंबन वापस करने की घोषणा की गई। इसके बाद छात्रों ने कैंपस में विजय जुलूस निकाला।

मंगलवार को ही 5–6 छात्र भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन को बैकफुट पर आना पड़ा। रात करीब 9 बजे एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आशीष कुमार खरे, वैं प्रो. एनके शुक्ला व एसीपी मौके पर छात्रों के बीच पहुंचे थे। निलंबित छात्र संजय, निधि, सौम्या व चंद्रप्रकाश के निलंबन वापस लिए जाने का आश्वासन दिया गया।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पीआरओ प्रो जया कपूर ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों के निलंबन वापस लेने की मांग को मान लिया और अन्य सभी मांगों पर छात्र हित में विचार करने और उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया गया है।

दिशा छात्र संगठन, आइसा, सपा छात्र सभा व अन्य संगठनों की अगुवाई में चल रहे इस आंदोलन में तेजी तब आ गई था जब देर रात आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह पहुंच थे। उन्होंने छात्रों की आवाज को सदन में उठाने का भरोसा भी दिलाया था।

फैज अहमद फैज की स्मृति दिवस पर दिशा छात्र संगठन के कार्यकर्ता विश्वविद्यालय कैंपस में एक कविता पाठ आयोजित कराना चाहते थे। इसकी अनुमति के लिए वह विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर आफिस में गए थे। वहीं पर कुछ विवाद हुआ था। छात्रों ने आरोप लगाया कि वहां पर चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश सिंह

प्रो. राकेश सिंह चीफ प्रॉक्टर

और सहायक चीफ प्रॉक्टर अतुल नारायण सिंह ने उनके साथ बदमीजी की और गाली–गलौज किया।

समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय सम्राट ने कहा चीफ प्रॉक्टर का इस्तीफा देना विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले समस्त छात्र–छात्राओं की जीत है। प्रो राकेश सिंह का यह पहला मामला नहीं है, इसके पहले छात्र अभिषेक गुप्ता को प्रॉक्टोरियल बोर्ड में बुला करके मारा पीटा गया।

इस गंभीर प्रकरण को लेकर संसदीय सद्भावना समिति की सिफारिश से राकेश सिंह समेत सभी प्रॉक्टोरियल बोर्ड के मेंबर के खिलाफ एसआईटी टीम भी गठित की गई है। उसके बाद वैभव सोनकर के साथ भी ऐसा किया गया। ऐसे प्रोफेसर को न ही शिक्षक की उपाधि दी जा सकती है न हीं प्रशासनिक पद पर रहने का अधिकार है।

इसके बाद तीन छात्र निधि, सौम्या और संजय का निलंबन किया गया। बस इसी बात को लेकर आंदोलन चल रहा है। 24 नवंबर सोमवार से ही छात्रों ने विश्व विद्यालय परसिर में धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया था। विश्व विद्यालय प्रशासन ने आंदोलन को रोकने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए थे।

छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन स्थल पर पानी भी छोड़ा गया। आंदोलित छात्रों की मांग थी कि निलंबित छात्रों का निलंबन वापस लिया जाए और चीफ प्रॉक्टर को हटाया जाए।

तेजाब से जला दूंगा... बीएससी छात्रा को धमकी

प्रयागराज में घर में घुसकर छेड़खानी की, दो महीने से आते–जाते पीछा करता था

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में बीएससी छात्रा पिछले दो महीनों से दहशत में जी रही थी। एक युवक कॉलेज आने–जाने के दौरान उसका पीछा करता था। कई बार चेतावनी देने के बावजूद उसकी हरकतें नहीं रुकीं। शिकायत पर उसने पिता को जो करना हो कर लो की धमकी दी।

24 नवंबर को तो आरोपी ने सारी हदें पार कर दीं। शाम को छात्रा अपने कमरे में परीक्षा की तैयारी कर रही थी। तभी आरोपी अचानक घर में घुस आया। उसने छात्रा का हाथ पकड़कर खींचा और अश्लील हरकतें कीं। विरोध करने पर उसने कमर से तमंचा निकालकर तेजाब डालने और जान से मारने की धमकी दी।

छात्रा की चीख सुन पड़ोसी

दौड़े। आरोपी उन्हें देखकर भाग निकला। भागते समय उसने अपनी बाइक वहीं छोड़ दी। परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। करैली पुलिस मौके पर पहुंची, बाइक जब्त की और देर रात आरोपी अय्यूब सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया।

छात्रा की परीक्षाएं 25 नवंबर से शुरू हैं। पुलिस उसकी सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।

24 नवंबर की शाम करीब 6रू30 बजे छात्रा अपने कमरे में परीक्षा की तैयारी कर रही थी। उसी दौरान मुख्य दरवाजा जोर से खुला और अय्यूब सिद्दीकी अचानक घर में घुस आया। अंदर आते ही वह सीधे छात्रा के पास पहुंचा, उसका हाथ पकड़कर जोर से खींचने लगा और अश्लील हरकतें कीं। विरोध पर उसने कमर से तमंचा निकालकर जान से मारने और तेजाब डालने की धमकी दी। छात्रा चीखने लगी तो आरोपी उसे घसीटते हुए ले जाने की कोशिश करता रहा, लेकिन शोर बढ़ता देख घबरा गया।

प्रयागराज में लापरवाह 40 बीएलओ का वेतन रोका

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में लापरवाही बरतने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर 40 बीएलओ का वेतन रोक दिया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि लगातार उदासीनता दिखाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी सेवा समाप्ति की संस्तुति भी भेजी जाएगी। जिले में एसआईआर अभियान के लिए कुल 4713 बूथों पर बीएलओ

तैनात किए गए हैं। अधिकांश बीएलओ अपना कार्य बेहतर ढंग से कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी पाए गए जो न तो बूथों पर पहुंच रहे थे और न ही फोन कॉल रिसीव कर रहे थे। कई बीएलओ ने शादी या बीमारी का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया। शिकायतें बढ़ने पर सभी विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ ने जांच शुरू कराई। सर्वाधिक लापरवाह बीएलओ शहर उत्तरी, शहर पश्चिमी और शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्रों में मिले। इसके अतिरिक्त, मेजा, करछना, सोरांव, प्रतापपुर, फूलपुर और हंडिया में भी कई बीएलओ ने लगातार कॉल नहीं उठाए। कोरांव विधानसभा में सबसे कम, केवल दो लापरवाह बीएलओ पाए गए। लापरवाही बरतने वालों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर्स, पंचायत सहायक और शिक्षामित्रों की संख्या सबसे अधिक है। इस पर नियंत्रण के लिए प्रशासन ने संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की निगरानी के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी, आशा वर्कर्स के लिए सीएमओ, पंचायत सहायकों के लिए डीपीआरओ और शिक्षामित्रों की निगरानी के लिए बीएसए को लगाया गया है। इन्हें निर्देश दिए गए हैं कि बीएलओ को हर हाल में सक्रिय भूमिका में लाया जाए। मतदाता सूची से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम नंबर 0532–2644024 और टोल फ्री नंबर 1950 जारी किए गए हैं। अभियान को सुचारु रूप से चलाने के लिए कंट्रोल रूम प्रभारी सिटी मजिस्ट्रेट और उप जिला निर्वाचन अधिकारी के मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक किए गए हैं।

छेड़छाड़ से तंग आकर महिला ने सुसाइड किया था

प्रयागराज। प्रयागराज के शिवकुटी में 24 दिन पहले 43 साल की महिला के सुसाइड मामले में नया मोड़ आ गया है। परिजनों का आरोप है कि उसे लगातार छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा था और इससे तंग आकर ही

उसने फांसी लगाई थी। घटना में चार लोगों को नामजद किया गया है। भाई ने पुलिस को तहरीर देकर बताया, 28 अक्टूबर को बहन ने थाना शिवकुटी में शिकायत दी थी कि उनके पड़ोस में रहने वाले नाथूराम, अतुल, शुभम और राहुल ने उनके साथ छेड़छाड़ की, विरोध करने पर गंदी गालियां दीं और मारपीट की। पुलिस ने मेडिकल कराया, जिसमें चोटों के निशान भी मिले थे। इसके बावजूद आरोपियों पर तत्काल कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और उनका हौसला बढ़ता गया। भाई के मुताबिक, दोबारा उन्हीं लोगों ने 2 नवंबर की सुबह बहन से छेड़छाड़ की। इसके बाद ही बहन ने सुसाइड कर लिया। करीब 9:30 बजे पति और बेटे ने मायके पक्ष को फोन कर बताया कि उसकी मौत हो गई है। मायकेवालों का कहना है कि उनकी बेटी लगातार मानसिक तनाव में थीं और पड़ोसियों की प्रताड़ना से बेहद परेशान थीं। प्रकरण में पुलिस ने चार लोगों नाथूराम, अतुल, शुभम और राहुल को नामजद किया है। मायके पक्ष का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस मामले में पुलिस अफसरों का कहना है कि जांच कराई जा रही है।

पूर्व एमएलसी सूरजभान करवरिया को चार दिन की पेरोल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उम्र कैद की सजा भुगत रहे पूर्व एमएलसी सूरजभान करवरिया को चार दिन की पेरोल दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय एवं न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने दिया है। यह पेरोल उन्हें

भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए दी गई है। सूरजभान करवरिया जवाहर पंडित हत्याकांड में सत्र अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। उन्होंने अदालत में अर्जी दाखिल करके कहा कि उनके बड़े भाई कपिलमुनि करवरिया की बेटी मीनाक्षी की शादी 29 नवंबर को है और विदाई 30 नवंबर को होना है इसलिए उन्हें भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए अल्पकालिक जमानत दी जाए। कोर्ट ने कहा कि शादी की तारीख और याची का भतीजी से रिश्ता विवादित नहीं है। इस आधार पर सूरजभान करवरिया को अल्पकालीन जमानत देने का फैसला किया गया। सूरजभान करवरिया को 28 नवंबर 2025 को शाम चार बजे से एक दिसंबर 2025 को सुबह 11 बजे तक के लिए जेल से रिहा किया जाएगा। इस दौरान उन पर पुलिस की 24 घंटे निगरानी रहेगी। हालांकि वह जहां जाना चाहें, जा सकते हैं। उन्हें एक दिसंबर को सुबह 11 बजे तक प्रयागराज के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने सरेंडर करना होगा।

संविधान दिवस पर सीएमपी डिग्री कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। आज संविधान दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज द्वारा महाविद्यालय के सेंट्रल लॉन में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री अजय प्रकाश खरे ने हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता में संविधान के अद्वितीय महत्व को रेखांकित किया एवं सभी नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों एवं भावनाओं के अनुसार चलने

को प्रोत्साहित किया. कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ अरुण वर्मा ने किया. इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ अनिल श्रीवास्तव, डॉ चंदन कुमार तथा अन्य विभागों के गणमान्य शिक्षक उपस्थित थे. कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग सभी विभागों के छात्र–छात्राओं की उपस्थिति ने इसके उदेश्य को चरितार्थ किया. साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के शोध छात्रों का सराहनीय योगदान रहा।

जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि रचना सक्सेना एवं विशिष्ट अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव तथा डॉ सुमन सिंह रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 4.30 बजे से 6. 00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान के द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति तृप्ति यादव द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा इस आयोजन को सफल बनाया । जिसमें डॉ रीना श्रीवास्तव ने श्मेरा मन श, डॉ पूनम श्रीवास्तव ने शकिताब महल श, डॉ रेनू राय ने श्आओ हम सब दीप जलाएंश, डॉ सुषमा मिश्रा ने श्मेरी सुधियों में तुमश, डॉ सुमन सिंह ने श्नाथ तुम्हारी महिमा का संबलश, डॉ रेणुका पांडेय ने श्सोच ही रही थी कि कुछ याद आगया, तृप्ति यादव ने श्मुझे नहीं पता कि मैं कौन हूं, डॉ मधु पाठक ने श्महके इनसे ही घर आंगनश कविता का पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ रेनू राय ने किया।

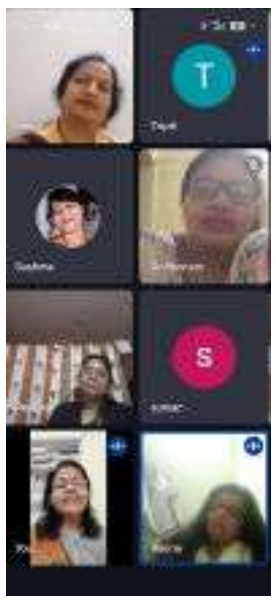

उत्तराखण्ड कवयित्री अवार्ड फेस्टिवल (देहरादून) प्रेस क्लब सभागार में प्रयागराज की डॉ पूर्णिमा पाण्डेय पूर्णा हुई सम्मानित

देहरादून। विश्व हिंदी रचनाकार मंच द्वारा कवयित्री अवार्ड फेस्टिवल में प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री डॉ पूर्णिमा पांडेय को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया इस भव्य साहित्यिक समारोह में राष्ट्र गौरव ऑपरेशन सिंदूर पुस्तक में उनके लेखन के लिए विश्व हिंदी रचनाकार मंच के संस्थापक राघवेंद्र ठाकुर जी ने सम्मानित किया । साहित्य प्रेमियों और उनके परिजनों ने खुशी व्यक्त की।

शैतान सिंह के साथ 120 बहादुर देखने पहुंचे अखिलेश

फरहान बोले, मूवी की टैगलाइन हर भारतीयों में भर रही जोश

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में सपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 120 बहादुर 120 बहादुरश मूवी देखने पहुंचे हैं। फिल्म एक्टर फरहान अख्तर के साथ वह प्लासियो मॉल में मूवी देख रहे हैं। मूवी भारत–चीन युद्ध पर आधारित है। इसमें फरहान अख्तर ने परमवीर चक्र सम्मानित मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभाई है। अखिलेश यादव के मल्टीप्लेक्स में मूवी देखने को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीति के जानकार इसे वोट बैंक से जोड़कर देख रहे हैं, क्योंकि मूवी में अहीर समुदाय के इतिहास और उनकी बहादुरी को दर्शाया गया है। फिल्म 120 बहादुर 1962 के भारत–चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की उस वीरता भरी लड़ाई पर आधारित है, जिसमें 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने अंतिम सांस तक रणभूमि नहीं छोड़ी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले फरहान अख्तर ने थिएटर में जाने से पहले फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म 21 नवंबर 2025 को रिलीज हुई। फिल्म की टैगलाइन हम पीछे नहीं हटेंगे हर भारतीय के दिल में जोश भर रही है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म को सभी लोगों को देखना चाहिए कि किस तरीके से हमारे देश के जवान भारत माता की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगाते हैं। लखनऊ शहर हमेशा ही दिल के बेहद करीब रहा है यहां आना बेहद खास होता है।

संविधान दिवस पर केंद्र–राज्य सरकारों को मायावती की नसीहत

बोली,ईमानदारी से काम करें केंद्र और राज्य सरकार

लखनऊ, संवाददाता। बसपा सुप्रीमो मायावती ने संविधान दिवस पर केंद्र व राज्य सरकारों को ईमानदारी से काम करने की नसीहत देते हुए कहा कि संविधान के उद्देश्यों पर अमल को समय की जरूरत है। मायावती ने आज एक्स पर लिखा, आज देश संविधान दिवस मना रहा है और इस खास मौके पर भारतीय संविधान के मूल निर्माता व बहुजन समाज के मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर को मैं पूरे तहेदिल से शत–शत नमन करती हूं।

ईश्वर शरण में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान का आयोजन

प्रयागराज । ईश्वर शरण महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आज संविधान दिवस(26 नवंबर)के अवसर पर 'हमारा संविधानरूहमारा स्वाभिमान' विषय पर संगोष्ठी/परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने की। कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए संविधान दिवस के उद्देश्यों और उसमें युवाओं की भूमिका पर अपना वक्तव्य देते हुए भारतीय संविधान के मुख्य पहलुओं की चर्चा कीऔर कहा कि यह संगोष्ठी इस बात का द्योतक है कि समय–समय पर हमें अपने अधिकार, कर्तव्य और संविधान को लेकर,संवैधानिक अधिकारों को लेकर, संवैधानिक उपचारों को लेकर के राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को लेकर के चर्चा–परिचर्चा करने की आवश्यकता है ताकि नई पीढ़ी इन सारी बातों से अवगत हो सके और प्रेरित होकर राष्ट्र, समाज एवं देश को अपना योगदान समर्पित कर सके।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ कृष्णा सिंह, डॉ रुचि गुप्ता, डॉ गायत्री सिंह , डॉ आलोक मिश्र,डॉ रेफाक अहमद द्वारा युवाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए युवाओं को संविधान दिवस के विविध पहलुओं एवं उद्देशिका के विधिक बिंदुओं पर संबोधित किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने भी संविधान दिवस पर अपने विचार रखे। इसके पश्चात कार्यक्रम संयोजक द्वारा उपस्थित जनों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जागृति जायसवाल, अस्मिता पटेल,शौर्य सिंह, अंकित पटेल, अजय कुमार, नीरज यादव ,नितिन त्रिपाठी, जाह्नवी मिश्रा इत्यादि छात्रों की भूमिका सराहनीय रही।

शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला को मिला साहित्यरत्न सम्मान

साहित्यकार सत्कार : आपके द्वार सम्मान योजना का एक वर्ष पूरा

प्रयागराज। साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के तत्वावधान में विगत एक वर्ष से चल रही सम्मान श्रृंखला साहित्यकार सत्कार आपके द्वार को आज एक वर्ष पूरा हो गया । इस अवसर पर शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला को साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

साहित्यकार सत्कार रू आपके द्वारष् की मासिक श्रृंखला में वरिष्ठ कवि शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला को उनकी साहित्यिक सेवा के लिए उनके अल्लापुर स्थित आवास पर वरिष्ठ गीतकार डा0 वीरेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह में साहित्यांजलि प्रकाशन के व्यवस्थापक एवं साहित्यांजलि प्रभा मासिक पत्रिका के मुख्य संपादक एवं भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डा0 भगवान प्रसाद उपाध्याय के संचालन में साहित्य रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया ।

समारोह में पत्रिका के वरिष्ठ उपसंपादक एवं पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव डा0 योगेन्द्र कुमार मिश्र षविश्वबन्धुष, उपसंपादक डॉ रामलखन चौरसिया वागीश (महासंघ के साहित्य प्रकोष्ठ प्रभारी),पत्रिका के सह–संपादक राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ,शम्भूनाथ श्रीवास्तव ष्शम्भुष एवं पं0 राकेश मालवीय ष्मुस्कानष हीरा लाल पाण्डेय ने अंग–वस्त्र,पुष्पहार,स्मृतिचिन्ह एवं साहित्य रत्न प्रमाणपत्र के द्वारा सम्मानित किया।इस अवसर पर कवि के.पी.गिरि, विवेकसत्यांशु,आयुर्वेदिक डाक्टर हर्ष चौरसिया भी उपस्थित रहे।प्रारंभ में कार्यक्रम अध्यक्ष एवं अन्य अतिथिगण ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पणध्पुष्पार्पण द्वारा नमन किया।डा0 विश्वबन्धु ने स्वागत उद्बोधन से सभी का स्वागत तथा चौरसिया ने अपने उद्गार प्रकट किये। डा0उपाध्याय ने कार्यक्रम संचालन के साथ साथ सभी अतिथिगण के प्रति आभार भी प्रकट किया।इस अवसर पर उक्त समस्त कविगण ने अपने–अपने उत्कृष्ट काव्य–पाठ से काव्य–रस की भीनी–भीनी बौछार कर सबके मन–मस्तिष्क आल्हादित कर दिया जिसमें मुकुल मतवाला ने अपनी पुस्तक ष्मतवालों की मधुशालाष के छन्दों से सभी के हृदय में विशेष स्थान बनाया।

वरिष्ठ साहित्यकार शरत चन्द्र श्रीवास्तव के पिता श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव के निधन पर शोक सभा आयोजित

प्रयागराज। वरिष्ठ साहित्यकार शरत चंद्र श्रीवास्तव के पिता श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव के निधन पर शहर समता विचार मंच की तरफ से शोक सभा उमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। शोक सभा में फरमूद इलाहाबादी ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा शकि शरत श्रीवास्तव के पिता एक बेहतरीन इंसान थे जो काफी दिनों से बीमार थे आज उनका जाना एक दुखद समाचार है भगवान उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में यह दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे एवं दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देश। डॉ राकेश मालवीय नें कहा कि राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव जी एक सज्जन व्यक्ति थे ईश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। उमेश श्रीवास्तव ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि श यह एक दुखद समाचार है ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे

और परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस अवसर पर रचना सक्सेना, राम कैलाश पाल प्रयागी, प्रदीप चित्रांशी, डॉ वीरेंद्र तिवारी, कविता उपाध्याय, जया मोहन, मीरा सिन्हा, प्रेमा राय, राकेश मालवीय, केशव सक्सेना, शाम्भवी, डॉ सविता कुमारी श्रीवास्तव, मनमोहन सिंह, के पी गिरि, वेद व्यास, राजेश सिंह राज, डॉ नीलिमा मिश्रा, अनामित पाण्डेय, शंभूनाथ श्रीवास्तव, प्रियंका त्रिपाठी,, ललिता पाठक, अनवार अब्बास नकवी, देवयानी मुखर्जी, रेनू मिश्रा, डॉ रवि मिश्रा, अनिल खरे , संजय सक्सेनाने भी अपनी अपनी संवेदना व्यक्त की।

बौद्धिक विचार मंच द्वारा विचार प्रवाह एवं कवि गोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। बौद्धिक विचार मंच एवं पारंपरिक साहित्यकार परिषद उत्तर प्रदेश, प्रयाग शाखा की ओर से बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर विचार प्रवाह एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। चन्द्रलोक गेस्ट हाउस, नैनी के निकट बी एल पाण्डेय के आवास पर आयोजित श्रीमद्भगवद्गीता में सामाजिक संविधान विषयक गोष्ठी के आयोजक समाजशास्त्री डॉ. आनन्द राजा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संस्था महासचिव डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने विषय परिवर्तन करते हुए मंच के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता गोरखपुर विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में सामाजिक आयाम के विविध ा ज्ञान की संपूर्णता है। लोक जीवन के व्यावहारिक विधान को श्रीमद्भगवद्गीता सतत पाथेय प्रदान करती है। डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने अपने काव्यपाठ में पढ़ा भारत का अभिधान है नारी, गौरव अरु अभिज्ञान है नारी। विशिष्ट अतिथि डॉ.आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव ने काव्य पंक्तियां कोई बचपन की मुझे फिर से निशानी दे दे, चन्दा मामा की वही प्यारी कहानी दे दे, पढ़कर मंच को सार्थकता प्रदान की। कवयित्री श्रीमती राधा शुक्ला ने पढ़ा हंसा दे रुला दे जो भाव मन के सुना दे, वही मीत प्यारा जो दे थपकी सुला दे। संचालक डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने पूजा की थाली से गायब सारे पूज्य हमारे हैं, रिश्तों की बलि देकर हमनें सारे कर्ज उतारे हैं। किसको दर्द सुनायें अपना किसको राह दिखायें, दिन की रौनक फीकी फीकी चीख रहे अंधियारे हैं, काव्य पंक्तियां सुनाकर समय की विसंगतियों को रेखांकित किया। अंजनी यादव, अक्षय शिवम, रिंकी मिश्रा ने काव्यपाठ कर मंच को ऊंचाई दी। संयोजक डॉ.आनन्द राजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ.आनंद त्रिपाठी, डॉ. प्रभात, परिमल, पुनीत, उत्पल मिश्र आदि उपस्थित रहे।

घुसपैठिये को रिमांड पर लेगी पुलिस, साथियों के बारे में करेगी पूछताछ; गिरफ्तार हुआ था बांग्लादेशी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के वजीरगंज की पुलिस ठगी के मामले में जेल में बंद बांग्लादेश के गोपालगंज के गोहाला गांव निवासी हसन शेख को रिमांड पर लेगी। पुलिस इसकी तैयारी कर रही है। रिमांड पर लेकर पुलिस उसके साथ घुसपैठ करने वाले दो साथियों के बारे में पूछताछ करेगी। बांग्लादेशी हसन शेख और पश्चिम बंगाल के रहने वाले उमर शेख ने 16 नवंबर को निशातगंज निवासी चूड़ी दुकानदार गुल्लू सोनकर को 300 रियाल देने का झांसा देकर दो लाख रुपये ठग लिए थे। शुक्रवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। हसन के संपर्क में थे दोनोंरू पुलिस सूत्रों के मुताबिक हसन के साथ घुसपैठ करने वाले दो अन्य लोग लगातार उसके संपर्क में थे। रिमांड में लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसी दोबारा उससे पूछताछ करेंगी। पुलिस उसे दिल्ली और मुंबई ले जा सकती है। साथ ही पुलिस पश्चिम बंगाल और दिल्ली के थानों में दर्ज मामलों को भी जानकारी हासिल करेगी।

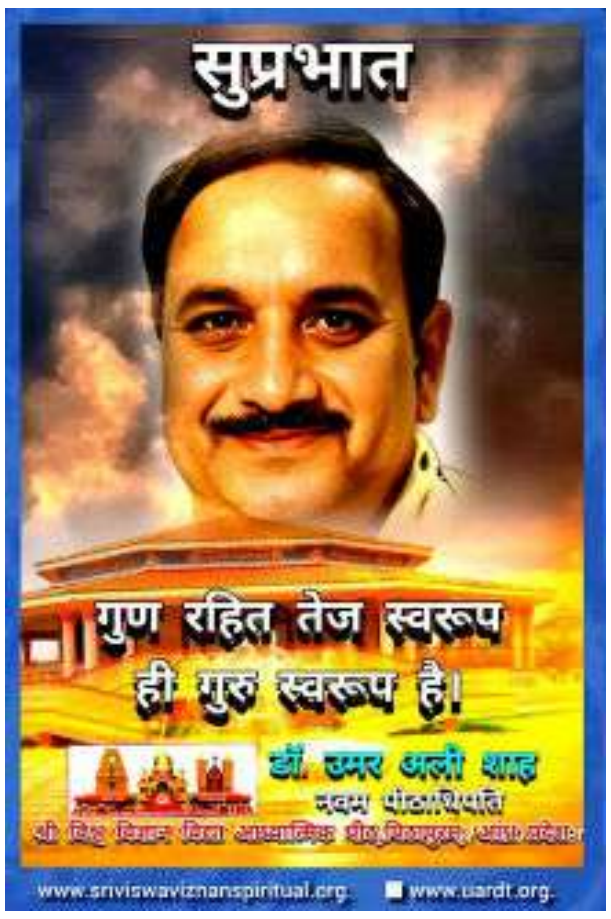

प्यारा फूल गुलाब

सुभग मनोहर दिव्य है, प्यारा फूल गुलाब।
कोमल जिसकी पंखुरी, जिन्दा करते खघ्वाब।
जिन्दा करते खघ्वाब,रहे जो दिल में सोते।
कर खुश्बू संचार, प्रेम रस उन्हें पिलाते।
सुन लो कहें प्रदीप, शब्द की गरिमा रखकर।
कहता पुष्प गुलाब, वक्त कर सुगम मनोहर।।

खघ्वाबों के संसार को, दिखा रहा जो दीप।
पावन पुष्प गुलाब है, रखिये उसे समीप।
रखिये उसे समीप, मिलेगा सुखमय जीवन।
भौतिकता से दूर, दिखेगा पावन मधुबन।
सुन लो कहें प्रदीप,अर्थ समझो शब्दों के।
जिसमें निहित यथार्थ,गमक बनते खघ्वाबों के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बेटी की शादी के लिए रखे गहने चोरी, चोरों ने ढाई लाख रुपए और भगवान की मूर्तियां भी चुराई

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित धनपाल खेड़ा गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपए की नकदी, बेटी की शादी के लिए रखे जेवर और भगवान की मूर्तियां चुरा ले गए। पीड़ित परिवार को बुधवार सुबह चोरी का पता चला जब वे सोकर उठे और मोबाइल फोन गायब पाए। एक चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। परिजनों ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल के बाद थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने को कहा। धनपाल खेड़ा निवासी शुशांक द्विवेदी ने पुलिस को लिखित तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि वह एक निजी कंपनी में काम करते हैं और परिवार का भरण–पोषण करते हैं। उनके पिता की कई साल पहले मौत हो चुकी है। शुशांक के अनुसार, मंगलवार रात खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गए थे। देर रात चोर घर में घुसे और दो मोबाइल फोन, ढाई लाख रुपये नकद (जिसमें एक लाख रुपये ऑफिस के थे), चांदी के लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियां, पीतल और लोहे का कुछ सामान चुरा लिया। चोर बेटी की शादी के लिए रखी सोने की चेन, अंगूठी और चांदी की पायल भी ले गए।

आम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र के कुसमौरा गांव में बुधवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक ने आम के बाग में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान कारपेंटर जितेंद्र उर्फ बाबू पुत्र स्व. गणेश निवासी कुसमौरा के रूप में हुई है। परिजनों ने कहा पड़ोसन की वजह से जितेंद्र ने आत्महत्या की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर ने बताया कि जितेंद्र का शव उसके ही आम के पेड़ पर अंगोछे के सहारे फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों और परिजनों की मदद से वीडियोग्राफी कर शव को नीचे उतारा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में उसकी मां बेलावती और भाई पुनू हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मंगलवार रात पड़ोस में रहने वाले राहुल रावत की पत्नी अनीता मृतक के घर की छत पर बने कमरे में गई थी। जितेंद्र की बहन सरिता ने उसे वहां देख लिया था। परिजनों का दावा है कि इसी घटना से आहत होकर जितेंद्र ने यह कदम उठाया। उन्होंने मामले की गहन जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद प्राप्त तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मामला संवेदनशील होने के कारण जांच अभी जारी है।

ट्रॉले में घुसी स्लीपर बस,अचानक ब्रेक लगाने से हुआ हादसा

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज कस्बे में बुधवार सुबह लखनऊ–रायबरेली मार्ग पर एक निजी स्लीपर बस ट्राले से टकरा गई। यह हादसा भारत पेट्रोल पंप के सामने हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अचानक ब्रेक लगने के कारण बस चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया और बस सीधे ट्राले के पिछले हिस्से में घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे राहगीरों ने डायल 112 पर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बताया कि दुर्घटना में बस (नंबर एनएल 07 बी 0931) और ट्रॉला (नंबर जेएच 05 डीएस 4940) शामिल थे। हादसे में बस चालक मोहम्मद अली (निवासी रानीगंज, प्रतापगढ़) को हल्की चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया।बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित रहे। हादसे के बाद यात्रियों को दूसरी बसों से प्रतापगढ़ के लिए रवाना किया गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया गया, जिससे यातायात सामान्य हो सका। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। दोनों वाहनों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

सम्पादकीय.....

खतरनाक मंसूबे

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश–समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ–सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतरू अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है। हम 21वीं सदी में नशे की तस्करी का मुकाबला बीसवीं सदी के उपायों से नहीं कर सकते हैं। कभी–कभार होने वाली गिरफ्तारियां, छिटपुट छापे और उदार चेतावनी अपर्याप्त कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से अपराध की घातकता के अनुरूप ही प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। सीमा की निगरानी व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाये जाने की सख्त आवश्यकता है। स्कूलों, पंचायतों, सामुदायिक नेताओं और नागरिक समाज को पहले ही चेतावनी प्रणालियां बनानी चाहिए, ताकि पहचान हो सके कि बच्चों की परवरिश किस ढंग से की जा सके। इस दिशा में अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि वे बच्चों के पथभ्रष्ट होने के खतरे के प्रति सचेत रहें। समुदायों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। साथ ही जोखिम के दायरे में आ सकने वाले युवाओं को बेहतर शिक्षा, कार्य कौशल और वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि वे किसी प्रलोभन में आकर गलत राह न चुने। निश्चित तौर पर नाबालिगों का यह दुरुपयोग पंजाब के सामाजिक ताने–बाने व भारत की सुरक्षा पर हमला है।

माऊस के सामने पैन को भूल गए छात्र

डॉ. दीपक पाचपोर

टैबलेट और लैपटॉप में तो माऊस की जरूरत भी नहीं रही। और अब जब से आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस या कृत्रिम बुद्धिमता का जीवन में प्रवेश हुआ है, तब से बच्चों के सीखने में भारी कमी दर्ज की गई है।

पिछले दिनों अमरीका में पढ़ाने वाले एक प्रोफैसर ने दिलचस्प किस्सा बताया। उन्होंने अपने विद्याध्थयों को निबंध लिखने के लिए एक विषय दिया। वह यह देखकर हैरान रह गए कि सभी विद्याध्थयों ने एक जैसा लिखा था। यहां तक कि प्रारंभ और अंत भी लगभग एक जैसे थे। उन्हें समझते देर न लगी कि विद्याध्थयों ने विषय को चौट जी.पी.टी. में फीड किया होगा और वहीं से नकल करके लिख दिया। इससे उनके कान खड़े हो गए। इस तरह तो छात्र कुछ सीख ही नहीं रहे। न उन्हें कुछ याद हो रहा है। इसके बाद उन्होंने बच्चों से कहा कि टैस्ट से पहले वे अपने मोबाइल और लैपटॉप जमा करा दें और निबंध हाथ से लिखें। लेकिन छात्रों को यह तरीका कतई पसंद नहीं आया। उनका कहना था कि वे हाथ से लिखना नहीं जानते। वे कम्प्यूटर पर ही लिख सकते हैं। इन प्रोफैसर महोदय का कहना था कि बचपन में वह गांव के स्कूल में पढ़े थे, जहां जोर–जोर से गाकर पहाड़े याद कराए जाते थे जो आज तक उन्हें याद हैं। बड़ी कक्षाओं में बताया जाता था कि सवालों के उत्तरों को बार–बार लिखकर याद करें। अच्छे हस्तलेख पर भी जोर दिया जाता था। लिखने की खूब प्रैक्टिस करनी होती थी जिससे कि निर्धारित समय में पूरा प्रश्नपत्र खत्म हो सके। कोई सवाल छूट न जाए। लेकिन पहले छात्रों के जीवन में कम्प्यूटर ने प्रवेश किया। माऊस के सामने वे पैन को भूल गए। टैबलेट और लैपटॉप में तो माऊस की जरूरत भी नहीं रही। और अब जब से आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस या कृत्रिम बुद्धिमता का जीवन में प्रवेश हुआ है, तब से बच्चों के सीखने में भारी कमी दर्ज की गई है। हाथ से लिखना तो भूल ही गए हैं। बैंकों में अक्सर ऐसे युवा मिलते हैं, जिनके पास अपने हस्ताक्षर करने के लिए पैन नहीं होता। अब भी बुजुर्ग स्त्री–पुरुषों के पास पैन होता है। ये युवा पैन मांगते हैं और अक्सर लौटाना भूल जाते हैं। कुल मिलाकर यह कि दुनियाभर में हाथ से लिखना जो कि एक कला ही मानी जाती रही है, लोग भूल रहे हैं। लिखना तो दूर चीजें याद भी नहीं रहतीं। पिछले दिनों एक परिचित ने बताया था कि जब लैंडलाइन का जमाना था तो उन्हें असंख्य नम्बर याद रहते थे। जब से मोबाइल आया है और नम्बर सेव करने की सुविधा मौजूद है तब से कोई नम्बर याद नहीं रहता। कहा ही जाता है कि यदि दिमाग का इस्तेमाल कम करो तो दिमाग की शक्तियां भी कम होने लगती हैं। शरीर के अन्य अंगों के साथ भी यही सच है। पिछले दिनों स्वीडन से एक दिलचस्प खबर आई थी। बताया गया था कि 15 साल पहले वहां के स्कूलों से किताबों और कापियों को पूरी तरह से विदा कर दिया गया था। बच्चों को पढने के लिए लैपटॉप थमा दिए गए थे। शिक्षा का प्रारम्भ से ही डिजिटलीकरण कर दिया गया था। लेकिन तमाम सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई कि बच्चे कुछ भी नया नहीं सीख रहे। उनमें इनीशिएटिव लेकर कुछ नया सीखने की भावना कम हो रही है। वे न पढना चाहते हैं न लिखना। इसके अलावा रात–दिन कम्प्यूटर पर काम करने के कारण उन्हें तरह–तरह के रोग हो रहे हैं। सर्वाइकल, गठिया, आंखों की कमजोरी, चिड़चिड़ापन, अवसाद आदि के वे शिकार हो रहे हैं। सारी बातों पर गौर करके स्वीडन की सरकार ने तय किया कि अब बच्चे लैपटॉप, टैबलेट आदि से नहीं पढ़ेंगे। वे वापस किताबों, कापियों से ही पढ़ेंगे। वे पढने की पुरानी पद्धतियों की तरफ ही वापस लौटेंगे। यही बात अब अमरीका में जोर–शोर से कही जा रही है। तमाम बड़े अखबारों में लेख छप रहे हैं। इस बात पर चिंता व्यक्त की जा रही है कि नई पीढ़ी हाथ से लिखना भूल गई है। अल्फ ा पीढ़ी जो हाथ में मोबाइल ही लेकर जन्मी है, उसे किस तरह से हाथ से लिखने की तरफ लौटाया जाए। स्कूलों में बच्चों के बीच बहस आयोजित की जा रही हैं। उन्हें लिखने, सीखने और याद करने का महत्व बताया जा रहा है। यह भी कि लिखने से कम्युनिकेशन स्किल्स भी बढ़ती हैं। बातचीत से वे बहुत कुछ ऐसा नया सीखते हैं जो ए.आई. नहीं सिखा सकता। इसके अलावा कोई मेल लिखना, किसी को मैसेज भेजना आदि भी हमें संबंधों के महत्व को बताते हैं। हम अपनी भावनाओं को अपने हिसाब और इमोशंस के साथ व्यक्त करते हैं। इसलिए लिखना बहुत जरूरी है। कम्प्यूटर पर लिखें लेकिन हाथ से भी लिखें। यह भी कहा जा रहा है कि हम अपने आप जो कुछ लिखते हैं, उसमें हमेशा नयापन होता है। कोई और उसे ज्यों का त्यों नकल नहीं कर सकता। फि र हम जब अपने भाव और विचार खुद व्यक्त करते हैं तो दिमाग हमें नई–नई सूचना देता है। बहुत सी पुरानी चीजें याद दिलाता है। हरदम नया सोचने को प्रेरित करता है। हम अपनी समस्याएं खुद हल करना सीखते हैं। अभी हमें ए.आई. किसी जादूगर की तरह लग सकता है जो पलक झपकते ही हमारी हर समस्या हल कर दे। लेकिन अंततरू यह हमारे दिमाग की बहुत सारी शक्तियों, हमारी रचनात्मकता, नया सोचने की शक्ति को खत्म करने की ताकत भी रखता है। इसलिए खुद लिखें, खुद सीखें। अमरीका में चल रही इस बहस से उम्मीद है कि भारत में भी लोग कुछ सीखेंगे।–क्षमा शर्मा

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

प्रह्लाद सबनानी

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि "प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय", यह भारतीय विचारधारा है। भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर "कुछ मीठा हो जाए" जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, "दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं"; "होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बर्बादी की जाती है"; "महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बर्बादी की जाती है"; "माई बॉडी माई चोईस"; "हमको भारत में रहने में डर लगता है"; आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी

प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच, ननद देवरानी के बीच, दो बहिनों के बीच, पड़ोसियों के बीच, छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है, ताकि भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को बढ़ावा मिल सके। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। अब हम समस्त भारतीय नागरिकों को वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा फैलाए जा रहे उक्त वर्णित जाल में नहीं फंसते हुए, हमारे अपने भारतीय व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाते हुए अपनी भारतीय परम्पराओं का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। हमें अपने जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए चाहे वह तुलनात्मक रूप से थोड़ा महंगा ही क्यों न हो। उदाहरण के तौर पर हमारे जीवन में रोजाना उपयोग होने वाले कुछ उत्पादों के नाम यहां पर दिए जा सकते हैं, जिनका उत्पादन सदियों से भारत में ही पर्याप्त मात्रा में होता चला आया है। केवल और केवल भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली जानी चाहिए। जैसे, नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, सौंदर्य प्रसाधन औषधियां, टुथपेस्ट दंतमंजन टुथब्रश, दाढ़ी का साबुन ब्लेड्स रेजर, बिस्किट चाकलेट दुग्ध उत्पाद ब्रेड, चाय काफी, शीतपेय शरबत चटनी अचार मुरब्बा, आइसक्रीम खाद्यतेल खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण गृहोपयोगी वस्तु घड़ियां, लेखन सामग्री, जूते चप्पल पोलिश, तैयार कपड़े, कम्प्यूटर लैपटॉप एवं उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, बाम और मरहम, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, स्वचालित वाहन एवं मोबाइल फोन आदि।

केवल ही मैन नहीं थे धर्मेन्द्र

लाखों सितारे हो सकते हैं, लेकिन धर्मेंद्र सिफ र्एक ही हो सकता है। राजीव विजयकर की किताब धर्मेंद्र– नॉट जस्ट ए ही–मैन के पुस्तक विवरण की यह पंक्ति धर्मेन्द्र के निजी और फिल्मी करियर पर बिलकुल सटीक बैठती है। विजयकर की किताब का शीर्षक धर्मेंद्र– नॉट जस्ट ए ही–मैन भी सर्वथा उचित ही है। 24 नवंबर को 89 बरस की उम्र में धर्मेन्द्र ने आखिरी सांस ली, तो देश भर में दुख की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर तमाम क्षेत्रों के दिग्गजों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। मीडिया में हिंदी फिल्मों के ही मैन के तौर पर धर्मेन्द्र को याद किया जा रहा है। हालांकि आज जिस तरह का एक्शन और स्टंट कई फिल्म कलाकार करते हैं, वैसा धर्मेन्द्र ने कभी नहीं किया। लेकिन 1966 में आई फूल और पत्थर फिल्म के एक दृश्य में जब गुंडे, शराबी के रोल में धर्मेंद्र एक भिखारी और विधवा पर अपनी शर्ट उतार कर पहना देते हैं, तो लोगों ने उनकी कसरती काया को पसंद किया और एक्शन करने के कारण ही मैन का तमगा उनके साथ ताजिंदगी चस्पां हो गया।हालांकि कसरती कद–काठी वाले ध ार्मेन्द्र के चेहरे पर ऐसी सादगी, भोलापन और रूमानियत थी कि लोग उनकी सुंदरता के भी कायल रहे। करीब 60 सालों के फिल्मी करियर में धर्मेन्द्र ने बंदिनी, सत्यकाम, अनुपमा जैसी आदर्शवादी फिल्में कीं तो चुपके–चुपके और शोले में अपने अभिनय की छाप ऐसे छोड़ी कि उनका दोहराव कोई और कलाकार कर ही नहीं पाया। धर्मेन्द्र से पहले राजकपूर, दिलीप कुमार, देवानंद, अशोक कुमार जैसे सितारों की तूती बोलती थी, तो उनके साथ–साथ राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार बने। बाद में शाहरुख खान, सलमान खान के दीवाने फैंस तैयार हुए, लेकिन धर्मेन्द्र का जलवा शुरु से लेकर आखिर तक कायम ही रहा। हालांकि हकीकत, ममता, शोले, चुपके–चुपके, ड्रीमगर्ल, सीता और गीता जैसी फिल्में करने के बाद धर्मेन्द्र ने बी ग्रेड की भी कई फिल्में कीं, जिनमें न अच्छी कहानी थी, न ढंग का अभिनय था और दर्शक धर्मेन्द्र से निराश भी हुए, लेकिन फिर भी दिलों में वे ऐसी पैठ बना चुके थे, जो वक्त के साथ कमजोर नहीं पड़ी।

'राष्ट्रीय महापर्व है संविधान दिवस : आशीष कुमार सैनी'

(संविधान दिवस)

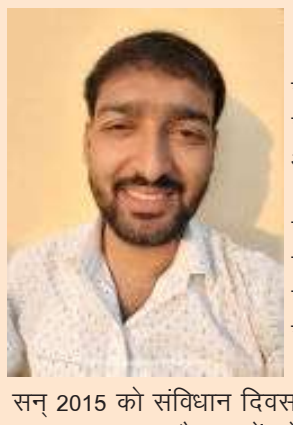

2 वर्ष,11 माह,18 दिन के अनवरत प्रयास के परिणामस्वरूप 26 नवंबर सन् 1949 को संविधान सभा ने जिस लिखित संविधान को अपनाया,वस्तुतः वह एक जीवित और अद्भुत दस्तावेज है।भारतीय संविधान महज अनुच्छेद,मौलिक कर्तव्य व अधिकार,संगठनों के बुनियादी संरचना,कार्य और शक्ति का संग्रह मात्र ही नहीं,बल्कि करोड़ों भारतीयों के लिए संजीवनी व पथ–प्रदर्शक है।

विविधता में एकता वाले एकमात्र राष्ट्र के इस लिखित दस्तावेज का जटिलता के साथ लचीलापन होना ही सबसे बड़ी व अनोखी खूबसूरती है। आजादी के कई दशकों के बाद,आज भी विश्व के कई राष्ट्रों के संविधानों में सबसे जटिल,विशाल और लिखित संविधान अपने भारतवर्ष का है।संविधान निर्माताओं की दूरगामी सोच और अद्वितीय लेखन शैली,आने वाली पीढ़ियों के लिए सदा ही प्रेरणाश्रोत रहेंगी।

संविधान के अंगीकरण दिवस को जनप्रिय और अविस्मरणीय बनाने हेतु सर्वप्रथम 26 नवंबर, सन् 2015 को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया।इस दिवस का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को संविधान के महत्व के बारे में जागरुक करना और मूल्यों को बढ़ावा देना है।आज संविधान दिवस के एक दशक परिपूर्ण होने पर,हम सभी भारतीयों को एक न्यायप्रिय,संविधानवादी और राष्ट्रवादी नागरिक बनने का संकल लेना चाहिए।संवैधानिक मार्ग ही सम्पूर्ण भारत के विकास और सफलता की कुंजी है।

जय हिंद,जय भारत,जय संविधान।

लेखकःआशीष कुमार सैनी

पुराछात्र–(इलाहाबाद विश्वविद्यालय)

धर्मेंद्र जी का अंतिम संस्कार बिना राजकीय सम्मान के क्यों हुआ ? जानें बड़ा कारण

> धर्मेंद्र को उनके शानदार योगदान के लिए पद्म भूषण और कई अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इसके बावजूद, उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के बिना किया गया, जिसके पीछे परिवार की ओर से प्रशासन को समय पर सूचना न देने को मुख्य वजह बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, धर्मेंद्र के निधन की जानकारी प्रशासन को तुरंत नहीं दी गई।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। 1935 में जन्मे धर्मेंद्र ने 1958 में टैलेंट हंट जीतकर बॉलीवुड में कदम रखा था। अपने लंबे करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले धर्मेंद्र ने पॉलिटिक्स में भी कदम रखा और 2004 में बीकानेर से सांसद चुने गए। धर्मेंद्र को उनके शानदार योगदान के लिए पद्म भूषण और कई अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इसके बावजूद, उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के बिना किया गया, जिसके पीछे परिवार की ओर से प्रशासन को समय पर सूचना न देने को मुख्य वजह बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, धर्मेंद्र के निधन की जानकारी प्रशासन को तुरंत नहीं दी गई। राजकीय सम्मान की प्रक्रिया में परिवार को सरकार को आधिकारिक प्रस्ताव भेजना होता है, जिसमें मृतक की उपलब्धियां और सार्वजनिक सेवा का विवरण होता है। लेकिन धर्मेंद्र के परिवार ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की। अंतिम संस्कार की खबर मीडिया और इंडस्ट्री को तब मिली, जब उनका पार्थिव शरीर श्मशान घाट ले जाया जा रहा था। धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी सीधे श्मशान घाट पहुंचीं। वहीं, सलमान खान, अमिताभ बच्चन और आमिर खान जैसे दिग्गज कलाकार अचानक जानकारी मिलने के बाद श्मशान घाट पहुंचे। शाहरुख खान अंत में पहुंचे, जब अंतिम संस्कार पूरा हो चुका था। धर्मेंद्र को सिनेमा में उनके योगदान के लिए 1997 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके बाद 2012 में उन्हें भारत सरकार की ओर से पद्म भूषण सम्मान मिला। राजकीय सम्मान पाने के लिए परिवार को प्रशासन को सूचना देनी होती है, साथ ही रिक्वेस्ट लेटर में मृतक की उपलब्धियों, पुरस्कार और सार्वजनिक सेवा का विवरण शामिल करना पड़ता है। परिवार की सहमति, डेथ सर्टिफिकेट और पहचान पत्र जैसे दस्तावेजों के बाद प्रशासन मृतक की उपलब्धियों को देखकर राजकीय सम्मान की मंजूरी देता है। मंजूरी मिलने पर सरकारी ऑफिसर्स की उपस्थिति में सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। कई बॉलीवुड सितारों को उनके योगदान के लिए राजकीय सम्मान मिल चुका है। इनमें शामिल हैं, मनोज कुमार, लता मंगेशकर, श्रीदेवी, शशि कपूर, पंकज उधास और दिलीप कुमार को जकीय सम्मान मिल चुका है। धर्मेंद्र का योगदान भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमूल्य रहा, लेकिन परिवार की जल्दबाजी और प्रशासन को समय पर सूचना न देने की वजह से उन्हें राजकीय सम्मान से वंचित रहना पड़ा।

शाहरुख खान ने बयां किया अपना दर्द, धर्मेंद्र मेरे पिता समान थे, उनकी कमी कभी पूरी नहीं होगी

सुपरस्टार शाहरुख खान ने सोमवार को कहा कि दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र उनके लिए पिता तुल्य थे और उनका निधन दुनिया भर के सिनेमा और फिल्म प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। धर्मेंद्र का लंबी बीमारी के बाद जुहू स्थित उनके घर पर 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह कई हफ्तों से अस्पताल में भर्ती थे। शाहरुख खान मुंबई के विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक भावुक पोस्ट में धर्मेंद्र और उनकी विरासत को याद किया। शाहरुख ने धर्मेंद्र के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''धरम जी, आपकी आत्मा को शांति मिले। आप मेरे लिए पिता तुल्य थे... आपने मुझे जिस तरह से आशीर्वाद और प्यार दिया, उसके लिए धन्यवाद।'' शाहरूख ने यह भी लिखा कि उनका निधन न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि दुनिया भर के सिनेमा और फिल्म प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। किंग खान ने लिखा, ''आप अमर हैं.. . और आपकी आत्मा आपकी फिल्मों और आपके खूबसूरत परिवार के माध्यम से हमेशा जीवित रहेगी। आपसे हमेशा प्यार करता रहूंगा।'' धर्मेंद्र ने शाहरुख की 2007 की हिट 'ओम शांति ओम' में एक यादगार अतिथि किरदार निभाया था और 'दीवानगी दीवानगी' गाने पर नृत्य किया था। ''सत्यकाम'' से लेकर ''शोले'' तक 300 से ज्यादा फिल्मों में काम करके मनोरंजन जगत में एक अलग मुकाम हासिल करने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का सोमवार को यहां उनके 90वें जन्मदिन से कुछ दिन पहले निधन हो गया। अपने जीवन का अधिकांश समय फिल्मी दुनिया की चकाचौंध में बिताने वाले इस बेहद लोकप्रिय अभिनेता का अंतिम संस्कार मुंबई के विले पार्ले उपनगर स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर किया गया। धर्मेंद्र के परिवार ने उनकी मृत्यु पर कोई टिप्पणी नहीं की। धर्मेंद्र आठ दिसंबर को अपना 90वां जन्मदिन मनाते। धर्मेंद्र (89) पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और अस्पताल में भर्ती थे। अंततः 12 नवंबर को, जब कई मीडिया संस्थानों ने उनकी मृत्यु की खबर दी और उनके नाराज परिवार ने गोपनीयता का अनुरोध किया, तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और जुहू स्थित उनके घर ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार की ओर से चुप्पी बनाए रखने के बीच, उनके आवास के बाहर मौजूद कैमरा दल और अन्य लोग गेट से बाहर निकलती एंबुलेंस और कई गाड़ियों को देखकर कयास लगाने लगे। कुछ देर बाद उनकी पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल, साथ ही फिल्म उद्योग से जुड़े अमिताभ बच्चन और उन

वायरल हो रहा धर्मेंद्र का आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट, देख फैंस की आंखों में आ गए आंसू

बॉलीवुड से एक दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का आज (24 नवंबर) 89 साल की उम्र में निधन हो गया। कुछ दिनों पहले उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस महीने की शुरुआत में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और 10 नवंबर 2025 को उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए सलमान खान, शाहरुख खान सहित कई सितारे उन्हें देखने अस्पताल पहुंचे थे। डिस्चार्ज होने के कुछ दिनों बाद धर्मेंद्र ने अपने जुहू स्थित घर में अंतिम सांस ली। काफी समय से खराब स्वास्थ्य के कारण धर्मेंद्र ने खुद को सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर कर लिया था। उनके परिवार में पहली पत्नी प्रकाश कौर, बेटे सनी और बॉबी देओल, दूसरी पत्नी हेमा मालिनी और बेटियां ईशा और अहाना देओल शामिल हैं। भारतीय सिनेमा में उनका योगदान बेहद खास रहा है। अपनी बहुमुखी अदाकारी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के कारण वे दशकों तक दर्शकों के पसंदीदा बने रहे। उनकी कई यादगार फिल्में आज भी लोगों के दिलों में बसी हैं। अभिनेता के निधन के बाद सोशल मीडिया पर शोक की लहर दौड़ गई है। धर्मेंद्र का आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट भी इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि, हीमैन का आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट उनकी फिल्म इक्कीस का ट्रेलर है। ये फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली है। दिवंगत अभिनेता का पोस्टर देख फैंस की आंखें नम हो गई हैं।

श्रद्धा कपूर के भाई से पांच घंटे की पूछताछ! अंडरवर्ल्ड ड्रग्स केस में सिद्धांत कपूर का नाम, एक्शन में मुंबई पुलिस

> अब कई सेलिब्रिटीज़ को समन भेजे जाने के साथ, इस केस ने एंटरटेनमेंट और फैशन सर्किट में चल रहे कथित ड्रग नेटवर्क के बारे में नई बातचीत शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता शक्ति कपूर के पुत्र और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत अपना बयान दर्ज कराने के लिए यहां मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) की घाटकोपर इकाई में पहुंचे।

श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर एक बार फिर भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े एक हाई–प्रोफाइल ड्रग ज़ब्ती केस की वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। एक्टर–डायरेक्टर घाटकोपर में मुंबई के एंटी–नारकोटिक्स सेल (ANC) के सामने पेश हुए, जहाँ उनसे घंटों पूछताछ हुई, क्योंकि कथित तौर पर एक मुख्य आरोपी से पूछताछ के दौरान उनका नाम सामने आया था। अब कई सेलिब्रिटीज़ को समन भेजे जाने के साथ, इस केस ने एंटरटेनमेंट और फैशन सर्किट में चल रहे कथित ड्रग नेटवर्क के बारे में नई बातचीत शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता शक्ति कपूर के पुत्र और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत अपना बयान दर्ज कराने के लिए यहां मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) की घाटकोपर इकाई में पहुंचे। अधिकारियों ने अधिक जानकारी दिए बिना बताया कि अभिनेता–निर्देशक से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें जाने दिया गया। एएनसी ने इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि उर्फ घ्ओरी को इसी मामले में बयान दर्ज कराने के लिये 26 नवंबर को तलब किया है। मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ की घाटकोपर इकाई ने बॉलीवुड की दो हस्तियों को समन भेजा, क्योंकि उनके नाम 252 करोड़ रुपये के 'मेफेड्रोन' जब्ती मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख से पूछताछ में सामने आए थे। पुलिस के अनुसार, शेख ने दावा किया था कि कुछ फिल्मी और फैशन जगत की हस्तियों, एक राजनेता और भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक रिश्तेदार ने भारत तथा विदेश में उसके द्वारा आयोजित रेव पार्टियों में हिस्सा लिया था।

सिद्धांत का पुराना ड्रग केस

दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर के बेटे और श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को इससे पहले 2022 में बेंगलुरु में ड्रग्स लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। उस घटना ने कुछ समय के लिए लोगों का ध्यान खींचा था, लेकिन इसके लंबे समय तक चलने वाले कानूनी नतीजे नहीं हुए। जैसे–जैसे जांच आगे बढ़ेगी, ANC से उम्मीद है कि वह और लोगों से पूछताछ करेगी जिनके नाम पूछताछ के दौरान सामने आ सकते हैं। फिलहाल, अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी भी जारी है, और जब तक बयान पूरी तरह से वेरिफाई नहीं हो जाते, तब तक कोई नतीजा नहीं निकाला जाना चाहिए।

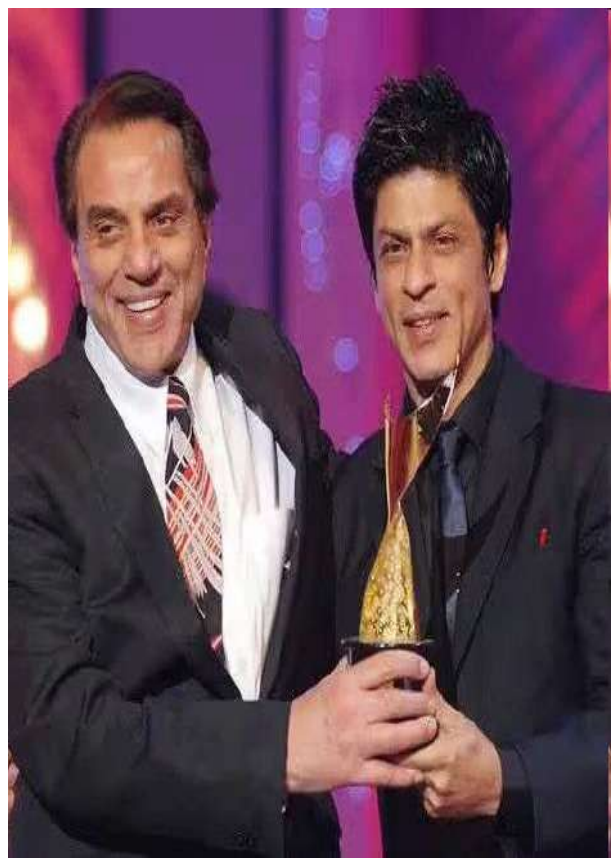

पेरी पेरी आलू के चिप्स स्वाद और सेहत का बेहतरीन संगम, जाने आसान रेसिपी

अगर आप आलू के चिप्स खाने के शौकीन हैं, तो पेरी पेरी आलू के चिप्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। यह चिप्स न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि इन्हें घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। ताजगी से भरे हुए, कुरकुरे पेरी पेरी चिप्स को बनाने के लिए बस आपको कुछ बुनियादी सामग्रियों की जरूरत है और थोड़ी सी मेहनत करनी होगी। यह रेसिपी न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि बाहर के तले हुए चिप्स की तुलना में स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर है, क्योंकि इसमें प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता।

पेरी पेरी मसाले का जादू

पेरी पेरी मसाला चिप्स में एक खास स्वाद लाता है, जो हल्की मिठास, तीखा स्वाद और खुशबूदार मसालों का मिश्रण होता है। यह मसाला चिप्स को एक नई पहचान देता है। आप इसे अपनी पसंद के हिसाब से तीखा या हल्का बना सकते हैं। अब हम जानते हैं पेरी पेरी आलू चिप्स बनाने की आसान विधि।

पेरी पेरी चिप्स बनाने की विधि

सामग्री

आलू (जितनी आवश्यकता हो)

कॉर्न फ्लोर (1–2 चम्मच)

नमक (स्वाद अनुसार)

तेल (तलने के लिए)

पेरी पेरी मसाला (स्वाद अनुसार)

विधि

आलू तैयार करें: सबसे पहले आलू को अच्छे से धोकर उनकी त्वचा हटा लें और पतले गोल स्लाइस में काट लें। अगर आप चिप्स को कुरकुरा चाहते हैं, तो स्लाइस पतले काटें।

आलू को भिगोकर रखें: कटे हुए आलू के स्लाइस को ठंडे पानी में डालें। इसे लगभग 15–20 मिनट तक भिगोने दें। इससे आलू से स्टार्च निकल जाएगा और चिप्स तले जाने के दौरान चिपकेंगे नहीं।

आलू में मसाले मिलाएं: आलू के स्लाइस को एक बड़े बर्तन में डालें। इसमें 1–2 चम्मच कॉर्न फ्लोर और थोड़ा सा नमक डालें। फिर इसे हल्के हाथों से मिक्स करें। कॉर्न फ्लोर चिप्स को कुरकुरा बनाएगा।

चिप्स तलने की प्रक्रिया: अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें। ध्यान रखें कि तेल ज्यादा गर्म न हो, वरना चिप्स जल सकते हैं। तेल को हल्की आंच पर गर्म करें और फिर आलू के स्लाइस को बैच में डालकर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें।

चिप्स को तेल से निकालें: तले हुए चिप्स को पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल सोख लिया जाए। अब एक बाउल में चिप्स डालें।

पेरी पेरी मसाले का टॉपिंग: अब ऊपर से पेरी पेरी मसाला छिड़कें और चिप्स को अच्छी तरह से टॉस करें, ताकि मसाला हर चिप्स पर अच्छी तरह से लग जाए। अगर आप ज्यादा मसाला पसंद करते हैं, तो मसाले की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

स्वाद और सेहत का बेहतरीन विकल्प

घर पर बनाए गए पेरी पेरी आलू चिप्स न केवल स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर होते हैं। बाहर के चिप्स में प्रिजर्वेटिव्स और ज्यादा तेल होता है, लेकिन घर पर बने चिप्स ताजगी से भरे होते हैं और आप अपने स्वाद के हिसाब से मसाले डाल सकते हैं। इसके साथ आप इन चिप्स को अपनी पसंदीदा चाय या डिप के साथ एंजॉय कर सकते हैं। तो अगली बार जब आप आलू के चिप्स बनाने का मन बनाएं, तो इस पेरी पेरी आलू चिप्स की रेसिपी को जरूर ट्राय करें और अपने दोस्तों के साथ चाय पर मस्ती का मजा लें!

खाने को ठीक से न चबाने की गलती पड़ सकती है भारी, जानें इसके नुकसान

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग खाने को जल्दी–जल्दी निगल लेते हैं और इसे चबाने की जरूरत को नजरअंदाज कर देते हैं। यह आदत न केवल पाचन तंत्र पर बुरा असर डालती है, बल्कि कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म देती है। खाना चबाकर खाना न केवल पाचन को आसान बनाता है, बल्कि शरीर को पोषक तत्वों का अधिकतम लाभ पहुंचाता है। आइए जानते हैं, खाने को ठीक से न चबाने के नुकसान और इससे बचने के उपाय।

खाने को ठीक से न चबाने के कारण

जल्दबाजी में खाना

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खाने के लिए समय निकालना लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। व्यस्त दिनचर्या और समय की कमी के चलते लोग खाना जल्दी–जल्दी खत्म करने की आदत डाल लेते हैं। इस प्रक्रिया में खाना ठीक से चबाए बिना ही निगल लिया जाता है, जिससे पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। खाना बिना चबाए पेट तक पहुंचता है, तो उसे पचने में ज्यादा समय लगता है, जिससे गैस, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा, खाना सही तरह न चबाने से शरीर को पोषक तत्वों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता, जो लंबे समय में कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

टीवी या मोबाइल देखते हुए खाना

आज की डिजिटल दुनिया में लोग भोजन करते समय टीवी या मोबाइल पर वीडियो देखने या सोशल मीडिया स्क्रॉल करने में व्यस्त रहते हैं। इससे ध्यान भोजन से हटकर स्क्रीन पर चला जाता है, और व्यक्ति यह महसूस नहीं कर पाता कि वह कितना खा रहा है और कैसे खा रहा है। इस स्थिति में खाना अधूरा चबाया जाता है, जिससे पाचन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान भटकने के कारण व्यक्ति आवश्यकता से अधिक भोजन कर लेता है, जो वजन बढ़ने और मोटापे का कारण बन सकता है। भोजन के समय स्क्रीन से दूर रहना और भोजन पर पूरा ध्यान देना न केवल पाचन तंत्र के लिए लाभकारी है, बल्कि यह स्वस्थ भोजन की आदतों को भी बढ़ावा देता है।

जल्दी खाना खत्म करने की आदत

खाने को जल्दी खत्म करने की आदत आमतौर पर समय की बचत के लिए अपनाई जाती है। लोग इसे एक काम की तरह लेते हैं और जल्द से जल्द इसे पूरा करना चाहते हैं। लेकिन यह आदत शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। खाना जल्दी निगलने से भोजन के कण बड़े आकार में पेट तक पहुंचते हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसके अलावा, जल्दी खाने से दिमाग तक पेट भरने का संकेत सही समय पर नहीं पहुंचता, जिससे व्यक्ति आवश्यकता से अधिक खा लेता है। यह आदत न केवल वजन बढ़ाने का कारण बनती है, बल्कि गैस, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याओं का भी कारण बनती है। धीरे–धीरे और सुकून से भोजन करना पाचन को बेहतर बनाने और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

खाने को ठीक से न चबाने के नुकसान

पाचन समस्याएं

खाना सही तरीके से न चबाने से पाचन सही नहीं होता। इसका असर गैस, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याओं में दिखता है। चबाकर खाने से लार में मौजूद एंजाइम भोजन को छोटे टुकड़ों में तोड़ने में मदद करते हैं, जिससे पेट और आंत को खाना पचाने में आसानी होती है।

वजन बढ़ना

जल्दी–जल्दी खाने से दिमाग को पेट भरने का संकेत देर से मिलता है। इससे व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खा लेता है, जो वजन बढ़ने का मुख्य कारण बन सकता है। रिसर्च के अनुसार, धीरे–धीरे और चबाकर खाने से भूख कम लगती है और वजन नियंत्रित रहता है।

पोषक तत्वों की कमी

सही तरीके से न चबाने पर भोजन के पोषक तत्व शरीर में पूरी तरह से अवशोषित नहीं हो पाते। इससे शरीर में पोषण की कमी हो सकती है, जो थकान, कमजोरी और इम्यून सिस्टम को प्रभावित कर सकती है।

सीने में जलन और गैस

खाना न चबाने से खाना पूरी तरह से पच नहीं पाता, जिससे गैस्ट्रिक समस्या और एसिड रिफ्लक्स हो सकता है। यह सीने में जलन और खट्टी डकार जैसी परेशानियां पैदा करता है।

खाने को ठीक से चबाने के फायदे

खाना छोटे–छोटे टुकड़ों में टूटता है, जिससे पाचन आसान होता है। लार में मौजूद एंजाइम कार्बोहाइड्रेट और अन्य पोषक तत्वों को तोड़ने में मदद करते हैं।

पेट भरने का एहसास जल्दी होता है, जिससे ओवरईटिंग से बचा जा सकता है। दांत और मसूड़े मजबूत रहते हैं।

खाने को ठीक से चबाने के उपाय

धीरे–धीरे खाएं

भोजन को धीरे–धीरे और आराम से खाने की आदत डालें। हर निवाले को कम से कम 25–40 बार चबाना चाहिए, ताकि खाना अच्छे से टूटकर पाचन तंत्र में आसानी से पहुंच सके। धीरे–धीरे खाने से न केवल पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है, बल्कि दिमाग को यह संकेत भी मिलता है कि पेट भर रहा है। इससे आप ओवरईटिंग से बच सकते हैं और वजन नियंत्रित रख सकते हैं। इसके अलावा, धीरे–धीरे खाने से भोजन का स्वाद भी बेहतर तरीके से महसूस किया जा सकता है।

टीवी या मोबाइल से बचें

भोजन करते समय टीवी या मोबाइल का उपयोग करने से ध्यान भोजन से भटक जाता है। इससे आप न तो सही मात्रा में भोजन का आनंद ले पाते हैं और न ही इसे सही तरह से चबा पाते हैं। यह आदत वजन बढ़ने और पाचन समस्याओं का कारण बन सकती है। खाना खाते समय ध्यान केवल भोजन पर केंद्रित करें, ताकि आप इसे चबाने और निगलने के प्राकृतिक प्रक्रिया का पूरी तरह से पालन कर सकें।

छोटे निवाले लें

खाने को छोटे–छोटे टुकड़ों में लेकर खाने से यह सुनिश्चित होता है कि भोजन को सही तरीके से चबाया जा रहा है। बड़े निवाले खाने से उन्हें सही तरह से चबाने में दिक्कत होती है और भोजन सीधे पेट तक पहुंच जाता है, जिससे पाचन में समस्या हो सकती है। छोटे निवाले लेने से भोजन को अच्छे से चबाना आसान हो जाता है और इससे शरीर को पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिलती है।

पानी पियें, लेकिन सही समय पर

खाने के दौरान पानी पीने से बचना चाहिए, क्योंकि यह पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। पानी खाने के एंजाइम्स को पतला कर देता है, जिससे भोजन का पाचन सही तरीके से नहीं हो पाता। भोजन के पहले या बाद में पानी पीने की आदत डालें। इससे पेट को सही समय पर और प्रभावी तरीके से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। भोजन के दौरान केवल जरूरत पड़ने पर ही एक–दो घूंट पानी पिएं। खाने को सही तरीके से चबाने की आदत अपनाना आपकी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। यह न केवल पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि शरीर को पोषक तत्वों का सही लाभ भी दिलाता है। थोड़ी सी सावधानी और खाने के सही तरीके से आप अपनी कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर कर सकते हैं। ध्यान रखें, स्वास्थ्यमंद जीवनशैली की शुरुआत खाने की आदतों से ही होती है।

विंटर में सूखी त्वचा होगी दूर चेहरे पर लगाएं यह फेस पैक, स्किन हीरोइन की तरह चमकेगी

ठंड के मौसम में चेहरा सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। जिस वजह से स्किन भी निखार खोने लगती है। सर्दियों के दौरान हर महिलाएं खूबसूरत दिखना चाहती हैं लेकिन स्किन केयर के लिए हमेशा आलस करती हैं। इसी कारण ड्राइनेस, सनबर्न, यूवी रेज, धूल, प्रदूषण जैसी परेशानियां बेजान त्वचा पर नजर आती है। अगर आप भी हीरोइन की तरह दिखना चाहते हैं तो आज ही शुरु कर दें इस पैक को चेहरे पर लगाने के लिए, मिलेगा गजब का निखार।

कैसे बनाएं शहद का फेस पैक

सर्दियों में साबुन और फेस वॉश में चेहरे को धोने से त्वचा ड्राई हो जाती है। त्वचा में नमी बनाने के लिए आप हनी फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह पैक हर स्किन के लिए परफेक्ट होता है। शहद से बना हुआ फेस पैक ऑयली, ड्राई, सेंसिटिव और मिक्स टाइप स्किन वाले लोग इसका प्रयोग कर सकते हैं।

हनी फेस पैक बनाने की सामग्री

– डेढ़ चम्मच शहद
– दो चम्मच मुलतानी मिट्टी का पाउडर
– एक चम्मच गुलाब जल
– आधा चम्मच ऐलोवेरा जेल

कैसे लगाएं

– इन सब चीजों को कटोरी में मिलाकर मिक्स कर लें और इस फेस पैक चेहरे पर लगाएं।
– पैक को लगाने से पहले चेहरे को धो ले, जिससे चेहरे पर जमी हुए धूल और गंदगी साफ हो जाएगी।
– फिर इस पैक को चेहरे पर करीब आधे घंटे तक लगाकर रखें।
– इसके बाद आप अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें।
– अब चेहरे पर हल्का मॉइश्चराइजर लगा लें।
– इस पैक को आप हफ्ते में तीन बार लगा सकते है।

शहद फेस पैक के फायदे

हनी फेस पैक लगाने से स्किन पर ग्लो नजर आता है साथ ही स्किन हाइड्रेट रहती है। जिन लोगों की स्किन ऑयली है उनके लिए यह पैक फायदेमंद है। शहद, एलोवेरा, मुलतानी मिट्टी और गुलाब जल से बने फेस पैक स्किन टाइटनिंग में मदद करता है।

सर्दियों में किसी सुपरफूड से कम नहीं बाजरे के लड्डू, नोट करें रेसिपी

सर्दियों के दौरान बाजरा का सेवन अधिक होता है, यह सेहत के साथ ही बॉडी को गर्म रखता है। बाजरे के माध्यम से सैकड़ों व्यंजन बनाए जा सकते हैं। सर्दियों के दौरान बाजरे की रोटी शरीर को गर्म रखने में मदद करती है। इसके अलावा बाजरे की खिचड़ी, बाजरे का दलिया और बाजरे के लड्डू भी आमतौर पर बनाएं जाते हैं। बाजरा आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और विटामिन बी से भरपूर होता है। जो मैग्नीशियम, फास्फोरस और विटामिन बी से भरपूर है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्त्रोत पाया जाता है। सर्दियों में शरीर के गर्म रखने के लिए आमतौर घरों में बजारे लड्डू जरुर बनाएं जाते हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे आसान विधि के साथ बाजरे के लड्डू को कैसे बनाएं।

बाजरे के लड्डू बनाने की सामग्री

– बाजरे का आटा 200 ग्राम
– गुड़ एक कप
– देसी घी डेढ कप
– काजू 10–12
– बादाम 10–12
– गोंद 2 चम्मच
– जरुरत अनुसार कद्दूकस किया गया सूखा नारियल
– इलायची पाउडर

जानें बाजरे के लड्डू बनाने की विधि

– सबसे पहले आप गैस पर एक पैन चढ़ाएं। पैन गर्म होते ही इसमें घी डालें। घी पिघलने के बाद इसमें गोंद डालकर भून लें।
– जब गोंद गोल्डन हो जाएं तो इसे साइड में निकालकर रख लें। अब इस घी में बाजरें का आटा भूने।
– चाहे तो आप आटे में घी डाल सकते हैं। घी इतना होना चाहिए कि आटा हल्का सा घी में तर दिखे।
– मीडियम आंच पर आटे को लगातार चलाते हुए भून लें। जब आटा रंग बदल दे और घी आटे से अलग होने लगे, तो गैस को बंद कर दें फिर इसे ठंडा होने दें।
– जब तक आटा ठंडा हो रहा है तब तक आप अपने गुड़ को तैयार कर सकते हैं। गुड़ को कूटकर छोटे–छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। इसकी जगह आप देसी खांड, शक्कर या चीनी के पाउडर का यूज कर सकते हैं।
– गुड़ को तोड़कर इसे पैन में मेल्ट कर लें यानी पिघला दें। जब गुड़ मेल्ट हो जाए तो उसे हल्का गुनगुना होने के लिए रख दें।
– लड्डू बनाने के लिए भुने हुए बाजरे के आटे में ड्राई फ्रूट्स काटकर डालें। इसमें काजू, बादाम, गोंद, कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल और इलायची पाउडर मिला लें।
– इसके बाद इसमें पिघला हुआ गुड़ मिला ले। अपने हाथों से इन सभी चीजों को मिक्स करें और लड्डू का शेप दें। चलिए तैयार है आपके बाजरे के लड्डू, इन्हें आप जरुर बनाएं।

संक्षिप्त

निर्यात इस साल अबतक सकारात्मक दायरे में : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि देश का निर्यात इस महीने 21 नवंबर तक सकारात्मक दायरे में है। अक्टूबर में निर्यात में लगभग 12 प्रतिशत की गिरावट आई थी। उन्होंने कहा कि समुद्री खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। गोयल ने कहा कि त्वरित अनुमानों के अनुसार, देश का वस्तु निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 21 नवंबर तक लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने व्यापार बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, ''निर्यात सकारात्मक दायरे में है। कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।'' अमेरिका द्वारा उच्च शुल्कों के प्रभाव के कारण अक्टूबर में भारत का निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 अरब डॉलर रहा था। वहीं व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसका मुख्य कारण सोने के आयात में वृद्धि है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल–अक्टूबर के दौरान, निर्यात मामूली रूप से 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर रहा। विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के बारे में उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में इकाइयों को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अंतर–मंत्रालयी स्तर पर बातचीत 'काफी सक्रियता के साथ चल रही हैं।' एसईजेड में अतिरिक्त क्षमता का उपयोग चीन और आसियान जैसे देशों से आयात कम करने के लिए किया जा सकता है।

Airtel ने तेजस नेटवर्क्स के सिग्नल उपकरणों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए

दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राजस्थान में उसके नेटवर्क को सिग्नल में आ रही समस्या बीएसएनएल के 4जी नेटवर्क में तेजस नेटवर्क्स की तरफ से लगाए गए घटिया उपकरणों के कारण हो रही है। कंपनी ने टाटा समूह की तेजस नेटवर्क्स के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि इस सिग्नल समस्या के लिए एयरटेल

जिम्मेदार है। तेजस नेटवर्क्स ने कहा था कि एयरटेल ने बीएसएनएल उपकरणों के बेहद करीब अपने टावर लगाए हैं और तकनीकी प्रावधानों का ध्यान नहीं रखा है। इसकी वजह से राजस्थान में नेटवर्क सिग्नल से जुड़ी समस्या आ रही है। इस दावे पर एयरटेल के एक प्रवक्ता ने कहा कि टावरों पर कई सेवा प्रदाताओं के उपकरण लगना सामान्य है और इससे सिग्नल समस्या नहीं आती है, समस्या केवल इन उपकरणों की गुणवत्ता से जुड़ी हुई है। तेजस नेटवर्क्स को भेजे गए ईमेल का जवाब समाचार भेजे जाने तक नहीं मिला। एयरटेल ने मार्च में इस मुद्दे को दूरसंचार विभाग के वायरलेस नियोजन आयोजन (डब्ल्यूपीसी) के समक्ष उठाया था। एक उद्योग सूत्र ने कहा कि आयोग ने बीएसएनएल को पर्याप्त 'फिल्टर' लगाने के निर्देश दिए हैं ताकि 850 मेगाहर्ट्ज और 900 मेगाहर्ट्ज की रेडियो तरंगों के ओवरलैप से होने वाले हस्तक्षेप को रोका जा सके। तेजस ने अपने पत्र में कहा था कि उसके उपकरण मानकों के पूरी तरह अनुरूप हैं और बेहतर 'फिल्टरिंग' क्षमता रखते हैं।

राजकाज सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक होना चाहिए : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि राजकाज को सरल, पारदर्शी और लोगों की सुविधा बढ़ाने वाला होना चाहिए। उन्होंने कंपनी पंजीयकों और क्षेत्रीय निदेशालयों के काम की समीक्षा करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रक्रियाओं को अधिक सरल तथा व्यवस्था को आम लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिवाला एवं ऋण शोधन

अक्षमता संहिता (आईबीसी) जैसे कानूनी सुधार यह दिखाते हैं कि भारत बदलते समय के साथ कदम मिलाकर चल रहा है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के कामकाज में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए मंत्री ने एक लाइव डैशबोर्ड बनाने का सुझाव दिया और अधिकारियों से कहा कि वे लोगों तक कानूनी जरूरतों की जानकारी प्रभावी तरीके से पहुंचाने के रास्ते तलाशें। एक आधिकारिक बयान के अनुसार सीतारमण ने कहा कि राजकाज सरल, पारदर्शी और सुविधा देने वाला होना चाहिए। मंत्रालय को भविष्य को ध्यान में रखते हुए काम करना होगा, ताकि सभी हितधारकों को समय से सेवाएं मिल सकें। उन्होंने कंपनी पंजीयकों और क्षेत्रीय निदेशालयों के साथ विस्तार से चर्चा की। इसमें फॉर्म के प्रसंस्करण, तेज गति से विलय, कंपनी और एलएलपी के पंजीकरण या स्वैच्छिक बंदी, ई–शासन, जांच–पड़ताल की प्रक्रिया, अभियोजन और अपील जैसे विषय शामिल थे। कंपनी पंजीयक और क्षेत्रीय निदेशालय कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन आते हैं, जो कंपनी कानून और अन्य कानूनों को लागू करता है। मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने बदलते समय के साथ कदम मिलाने के लिए कंपनी अधिनियम और नियमों में बार–बार जरूरी संशोधन किए हैं। उन्होंने भारतीय कॉरपोरेट संचालन व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि पारदर्शी वित्तीय जानकारी देने से लोगों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने साथ ही मंत्रालय की भूमिका पर जोर दिया कि कंपनियों को सही मार्गदर्शन और नियमन देकर उनके शासन ढांचे को मजबूत बनाना चाहिए। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी ने मंत्री को बताया कि मंत्रालय ने प्रवर्तन से जुड़े अपने नियमों को एकसमान कर लिया है। सेवाओं को अधिक पारदर्शी तथा समयबद्ध बनाने के लिए प्रक्रियाओं और नियमों को सरल बनाने का काम भी चल रहा है।

गुवाहाटी टेस्ट में भारत की घुटने टेके : 408 रन से शर्मनाक हार, 25 साल में पहली बार अफ्रीकी दबदबा, कोच गंभीर पर बढ़ा दबाव

गुवाहाटी टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 408 रनों के बड़े अंतर से हराकर 25 साल में भारत में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीत दर्ज की, जो भारत की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। साइमन हार्मर के शानदार प्रदर्शन और एडेन मार्क्रम के रिकॉर्ड कैच ने भारत की शर्मनाक हार में योगदान दिया, जिससे कोच गौतम गंभीर पर दबाव बढ़ गया है।

बुधवार को गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के साथ भारत को कई सालों में दूसरी बार घरेलू टेस्ट सीरीज़ में सफ़ाया झेलना पड़ा। टेम्बा बावुमा की विश्व टेस्ट चौंपियन टीम ने भारत को 408 रनों से हराकर 25 सालों में भारत में अपनी पहली सीरीज़ जीत दर्ज की। चौथे दिन भारत के सामने 549 रनों का विशाल लक्ष्य रखने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम पारी में उन्हें 140 रनों पर आउट कर दिया, और पाँचवें दिन उन्हें शानदार जीत हासिल करने के लिए सिर्फ़ एक सत्र से ज़्यादा की ज़रूरत नहीं पड़ी। हार का अंतर 408 रनों का है जो भारत की रनों के लिहाज से अब तक की सबसे बड़ी हार है। यह सिर्फ़ तीसरी बार था जब किसी टीम ने भारत को टेस्ट सीरीज़ में वाइटवॉश किया हो और 40 सालों में पहली बार ऐसा हुआ हो कि भारत लगातार दो सालों में घरेलू सीरीज़ हारा हो। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने पारी में छह विकेट लिए और दक्षिण अफ्रीका के लिए इस यादगार दौरे में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बनकर उभरे। इस सीनियर खिलाड़ी ने 8 की औसत से 17 विकेट लिए, कोलकाता में 10 विकेट लेने के बाद गुवाहाटी में भी सात विकेट लिए। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए। एडेन मार्क्रम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में खेला गया पहला टेस्ट मैच 30 रन से जीता था। भारत को कप्तान शुभमन गिल की कमी ज़रूर खली, जो गर्दन की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए थे, लेकिन कई सीनियर खिलाड़ी जिनमें कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत और केएल राहुल भी शामिल हैं उतना ही नहीं। गौतम गंभीर पर दबाव बढ़ेगा, जो अब दो घरेलू टेस्ट सीरीज़ में क्लीन स्वीप करने वाले पहले भारतीय कोच बन गए हैं। पिछले साल न्यूजीलैंड की टीम ने भारत को 3–0 से हराया था। गंभीर इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में 2–2 से ड्रॉ खेलकर कुछ हद तक सम्मान लौटाने में कामयाब रहे थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका से मिली हार उनके टेस्ट कोच के कार्यकाल के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

0–2 से हार के बाद गंभीर का बड़ा बयान : मेरा फ्यूचर BCCI के हवाले, पर प्राथमिकता सिर्फ भारतीय क्रिकेट

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 2–0 की हार के बाद, भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी प्राथमिकता भारतीय क्रिकेट है, न कि व्यक्तिगत पहचान। उन्होंने मुख्य कोच के रूप में टीम के साथ अपनी पिछली सफलताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज़ ड्रॉ, आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे और अंतिम टेस्ट में भारत पर 408 रनों की शानदार जीत हासिल की। घ्मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा वाइटवॉश है। पिछले साल न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 0–3 और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0–2 से हार गंभीर के नेतृत्व में दो साल में भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज़ में दो हार है। गौतम गंभीर ने पत्रकारों से कहा कि ईमानदारी से कहूँ तो खेल में कोई कमी नहीं होती। हमने जो भी फ़ैसला लिया है, टीम के सर्वोत्तम हित में लिया है और हमें पूरा विश्वास है कि ये सही फ़ैसले थे जो देश और टीम के लिए काम कर सकते थे। और दूसरा सवाल, इसका फ़ैसला बीसीसीआई को करना है। मैंने मुख्य कोच का पदभार संभालने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भारतीय क्रिकेट महत्वपूर्ण है, मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ। और मैं यहाँ बैठकर बिल्कुल यही बात कह रहा हूँ। और हाँ, लोग इसे भूल सकते हैं। मैं वही व्यक्ति हूँ जिसने इंग्लैंड में भी एक युवा टीम के साथ अच्छे नतीजे हासिल किए थे और मुझे यकीन है कि आप लोग बहुत जल्द भूल जाएँगे क्योंकि बहुत से लोग न्यूज़ीलैंड के बारे में बात करते रहते हैं। और मैं वही व्यक्ति हूँ जिसकी कप्तानी में भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप भी जीता था। दक्षिण अफ्रीका

सीरीज़ में भारतीय कप्तान ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर बात करते हुए, गंभीर ने कहा कि उन्हें टीम के सभी खिलाड़ियों से, यहाँ तक कि खुद से भी, उच्च मानकों की उम्मीद है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट मैच जीतने के लिए सिर्फ़ व्यक्तिगत प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि सामूहिक सुधार भी ज़रूरी है। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में, जो गर्दन की चोट के कारण आराम कर रहे हैं, पंत ने दूसरे टेस्ट में टीम की कमान संभाली।

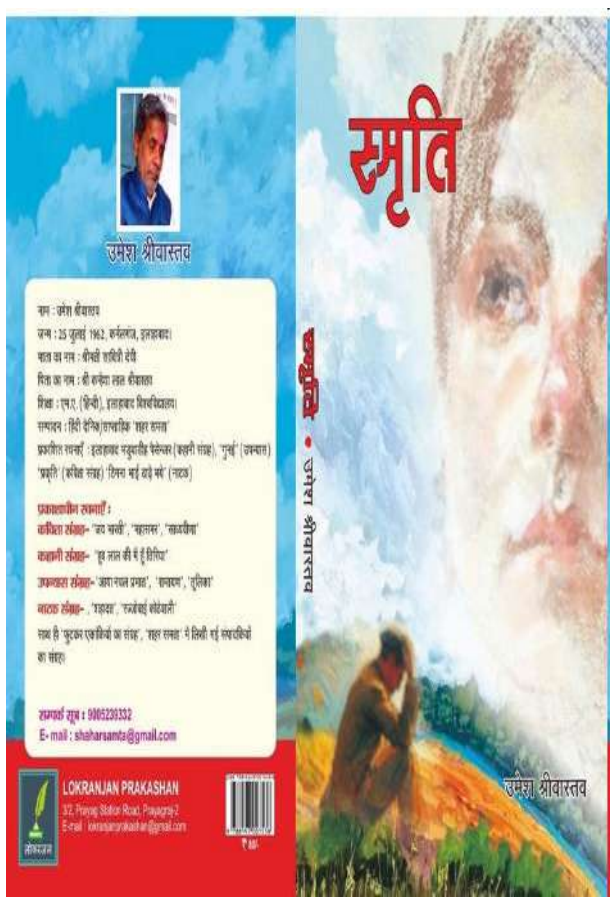

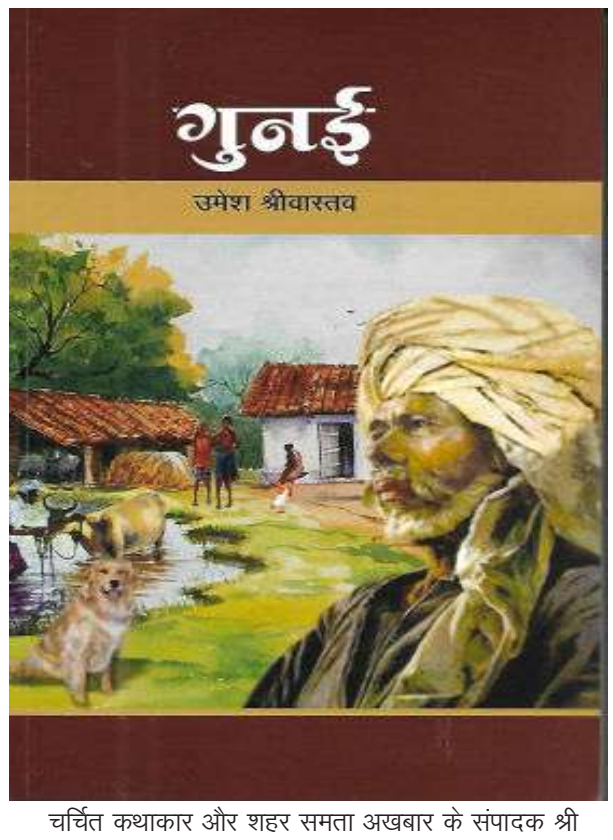

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

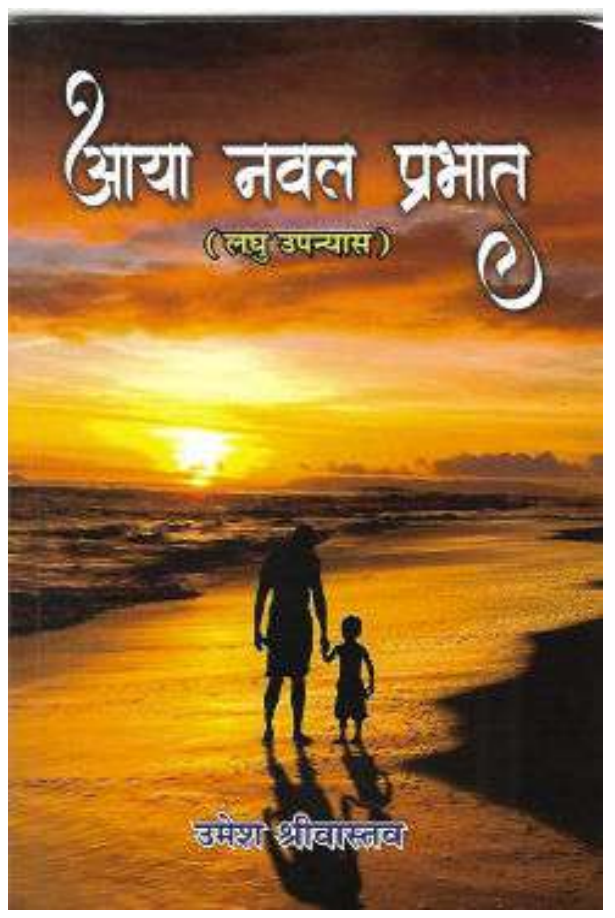

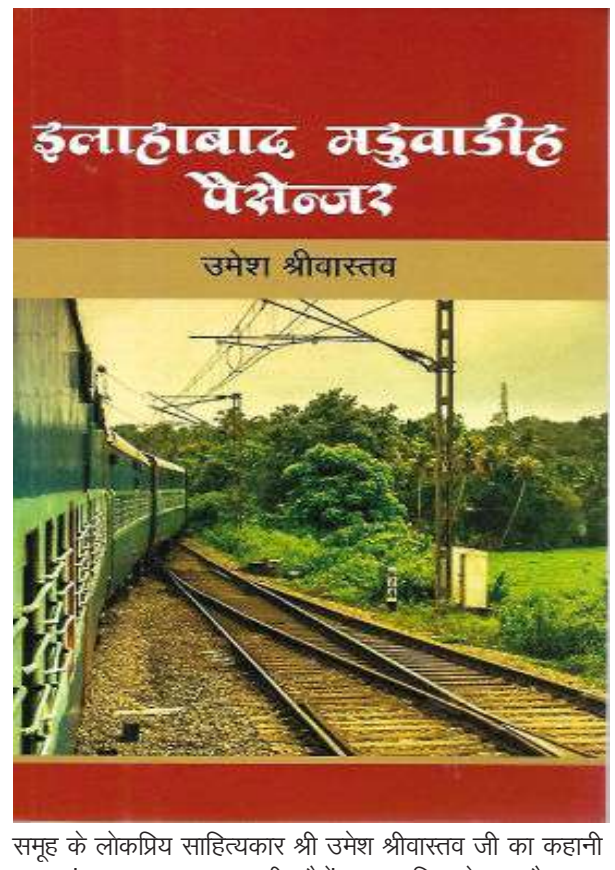

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

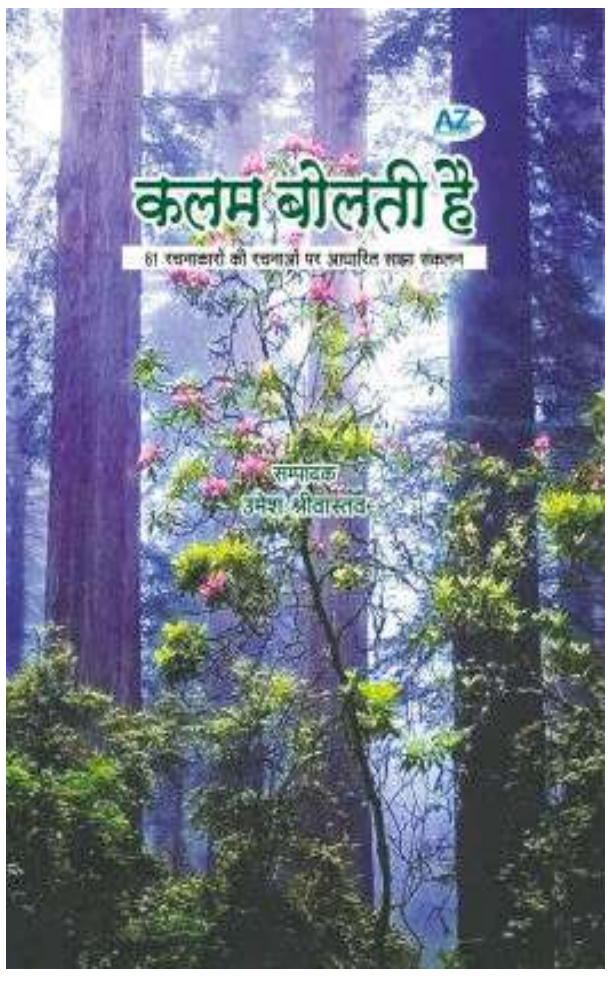

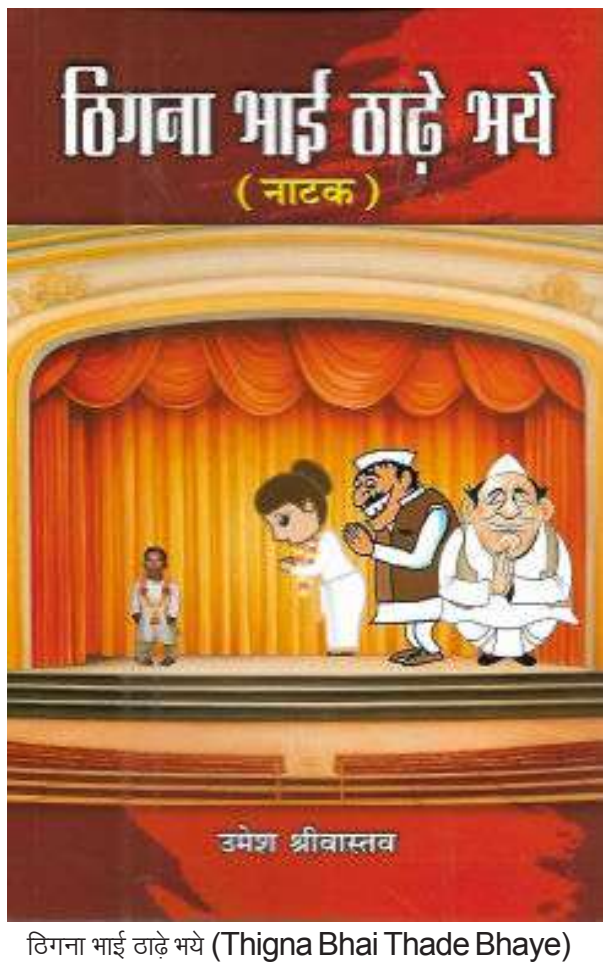

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

और करीब आए बांग्लादेश–पाकिस्तान! दिसंबर से शुरू होगी सीधी उड़ान सेवा

लाहौर। ढाका के एक शीर्ष राजनयिक ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधी उड़ान सेवा अगले महीने से शुरू होगी। जो दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में ये एक बड़ी छलांग होगी। पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कोई सीधी फ्लाइट नहीं थी। इस साल दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर होने पर, हाल ही में दो पाकिस्तानी निजी एयरलाइंस को बांग्लादेश के लिए सीधी फ्लाइट के लिए मंजूरी मिली है।

वीजा प्रक्रिया को आसान बनाया

इस्लामाबाद में बांग्लादेश के उच्चायुक्त इकबाल हुसैन खान ने लाहौर चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (LCCI) में कहा, महान एयर अगले महीने से ढाका और कराची के बीच हफ्ते में तीन फ्लाइट्स शुरू करेगी। हालांकि, उन्होंने कोई तारीख नहीं बताई और न ही विस्तृत जानकारी दी। उच्चायुक्त ने आगे कहा वीजा प्रक्रिया को भी आसान बना दिया गया है। वीजा अब LCCI और लाहौर में बांग्लादेश ऑनरेरी कॉन्सुलेट की संयुक्त सिफारिश पर जारी किए जा रहे हैं। सदस्यों को तीन से चार दिनों के अंदर वीजा जारी कर दिए जाएंगे, जिससे दोनों देशों के बीच यात्रा तेज और आसान हो जाएगा। बांग्लादेशी उच्चायुक्त ने कहा कि ढाका और कराची के बीच हफ्ते में तीन फ्लाइट्स संचालित होंगी। बता दें कि महान एयरलाइंस, जो महान एयर के नाम से चलती है, तेहरान में मौजूद एक निजी ईरानी एयरलाइन है। 5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से अपदस्थ कर दिया गया था और मोहम्मद यूनुस ने वहां की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार का पद संभाला, तब से ढाका और इस्लामाबाद के बीच रिश्ते बेहतर हुए हैं। हाल ही में, दो पाकिस्तानी निजी एयरलाइन फ्लाई जिन्ना और एयरसियाल को भी बांग्लादेश में उड्डयन प्राधिकरण से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधी उड़ान चलाने की मंजूरी मिली है। हाई कमिश्नर खान ने कहा कि दोनों देशों के बीच एक सीधी कार्गो शिपिंग सर्विस भी जल्द ही शुरू की जाएगी। लाहौर चौंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष फहीमुर रहमान सैगोल ने कहा कि पाकिस्तान बांग्लादेश को चावल का निर्यात बढ़ा सकता है और ढाका टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स के अलावा पाकिस्तान को फल भी सप्लाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास प्ज, ऑटोमोबाइल और दूसरी इंडस्ट्रीज़ में मिलकर काम करने के मौके हैं। सैगोल ने कहा, अभी, दोनों देशों के बीच सात करोड़ डॉलर की है, लेकिन अगले कुछ वर्षों में यह तीन अरब डॉलर तक बढ़ सकता है।

संक्षिप्त

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने प्रस्तावित भारत यात्रा टालने की खबरों को खारिज किया

इजराइल ने मंगलवार को मीडिया में आई उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा कारणों से अपनी प्रस्तावित भारत यात्रा स्थगित कर दी है। स्वयं प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि उन्हें भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और दोनों पक्ष यात्रा की नई तारीखों पर समन्वय कर रहे हैं। इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में

कहा, ''भारत के साथ इजराइल का रिश्ता, तथा प्रधानमंत्री नेतन्याहू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच रिश्ता बहुत मजबूत है।'' इसमें कहा गया, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की सुरक्षा पर प्रधानमंत्री नेतन्याहू को पूरा भरोसा है और टीम पहले से ही नई यात्रा तिथि पर समन्वय कर रही हैं।'' इजराइली मीडिया के एक धड़े ने खबर दी थी कि नेतन्याहू 2018 के बाद भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए दिसंबर में नई दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यहां 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि ये खबरें महज 'अटकलबाजी' पर आधारित और 'भ्रामक' हैं। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू की यात्रा के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीखों को अंतिम रूप देने के प्रयास किये जा रहे हैं।

'थैंक्सगिविंग' एक खूबसूरत पर्व है जो सभी को जोड़ता है : पोप

पोप लियो चौदहवें ने मंगलवार को कहा कि 'थैंक्सगिविंग' एक ''खूबसूरत पर्व'' है जो आस्तिकों और नास्तिकों को समान रूप से एकजुट करता है। पोप लियो ने कहा कि वह कई चीजों के लिए शुक्रगुजार हैं और उन्होंने सभी से उन उपहारों को पहचानने की गुजारिश की जो उन्हें मिले हैं। उन्होंने कहा,

सबसे पहले और सबसे अहम उपहार है जिंदगी का तोहफा। आस्था का तोहफा। एकता का तोहफा। पोप लियो ने यह बात मंगलवार को कैसल गोंडोल्फो में संवाददाताओं से बातचीत में कही। पोप वहां टेनिस खेलने जाते हैं। पोप ने 'थैंक्सगिविंग' पर्व का वर्णन करते हुए कहा कि यह खूबसूरत पर्व है जो सभी को एकजुट करता है और यह सभी को हर बात का आभार व्यक्त करने का अवसर देता है। पोप के रूप में लियो पहला थैंक्सगिविंग दिवस तुर्किये में मनाएंगे।

ज्वालामुखी से राख और धुएं के गुबार निकलने की दर में कमी आई

उत्तरी इथियोपिया के लंबे समय से निष्क्रिय हेली गुब्बी ज्वालामुखी से राख और धुंए के निकलने की दर में मंगलवार को कमी आई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि सप्ताहांत में हुए विस्फोट के कारण आसपास के गांवों में भारी तबाही मची है और राख के गुबार के कारण ऊंचाई वाले उड़ान मार्ग बाधित हो गए थे, जिसके

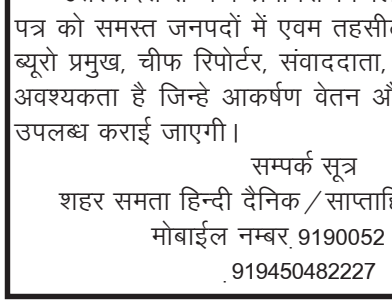

कारण उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। अधिकारियों ने बताया कि अफार क्षेत्र के अफदेरा जिले के गांव राख से ढक गए हैं। वहां के निवासियों को सांस लेने में समस्या आ रही है तथा पशुओं की घास और पानी पूरी तरह राख से ढके हुए हैं। अदीस अबाबा विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी अताले अयेले ने कहा कि ऐसे विस्फोट इसलिए होते हैं क्योंकि इथियोपिया एक सक्रिय 'रिफ्ट प्रणाली' के किनारे स्थित है जहां ज्वालामुखी और भूकंप अक्सर आते रहते हैं। उन्होंने बताया, ''पिछले 10,000 वर्षों में हेली गुब्बी का यह पहला दर्ज विस्फोट है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो की 27 साल की जेल की सजा शुरू

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो की मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा प्रारंभ हो गई। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को उसी संघीय पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा, जहां वह देश छोड़कर भागने की आशंका के कारण गिरफ्तार किए जाने के बाद से थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

ट्रंप का बड़ा ऐलान– रूस–यूक्रेन युद्ध खत्म करने की योजना तैयार, पुतिन से मिलेंगे अमेरिकी दूत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध खत्म करने का उनका प्लान ''फाइन–ट्यून'' हो गया है और वह व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए अपने दूत स्टीव विटकॉफ को और यूक्रेनी अधिकारियों से मिलने के लिए आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल को भेज रहे हैं। फिर भी व्हाइट हाउस की उम्मीद के बावजूद, डिप्लोमैटिक कोशिशें जारी रहने के कारण मुख्य रुकावटों पर कोई खास प्रगति नहीं हुई। ट्रंप ने कहा कि उनके जेरेड कुशनर विटकॉफ–पुतिन मीटिंग में शामिल हो सकते हैं। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, स्टीव विटकॉफ शायद जेरेड के साथ जा रहे हैं। मुझे जेरेड के जाने का पक्का पता नहीं है, लेकिन वह इस प्रोसेस में शामिल हैं, स्मार्ट आदमी हैं, और वे प्रेसिडेंट पुतिन से मिलने वाले हैं, मुझे लगता है कि अगले हफ्ते मॉस्को में। ट्रंप ने यूक्रेन को US–समर्थित शांति प्लान पर सहमत होने के लिए गुरुवार को दी गई अपनी डेडलाइन से भी पीछे हटते हुए कहा, मेरे लिए डेडलाइन तब है जब यह खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ और अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की। सेना सचिव के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जेफ टोलबर्ट ने कहा, ''वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और हम आशावादी बने हुए हैं।'' बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें कम से कम सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने भी बातचीत को सकारात्मक बताया। हालांकि, यूक्रेन के प्रतिनिधि ओलेक्ज़ेंडर बेब्ज ने कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि कोई सहमति बन गई है।

गर्लफ्रेंड के चक्कर में जाएगी FBI डायरेक्टर की कुर्सी ? भारतवंशी काश पटेल से क्यों नाराज हुए ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कथित तौर पर अपने नेतृत्व और हालिया सुर्खियों से निराश होकर आने वाले महीनों में एफबीआई निदेशक काश पटेल को हटाने पर विचार कर रहे हैं। पटेल ब्यूरो के संसाधनों के दुरुपयोग, जिसमें एक सरकारी जेट का इस्तेमाल और अपनी प्रेमिका के लिए सुरक्षा व्यवस्था शामिल है, को लेकर आलोचनाओं का शिकार हुए हैं। इसके अलावा, ट्रंप के अन्य वफादारों के साथ उनके चल रहे तनाव ने कथित तौर पर प्रशासन के भीतर चिंताएँ बढ़ा दी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और उनके शीर्ष सहयोगियों ने पटेल की जगह एक वरिष्ठ एफबीआई अधिकारी एंड्रयू बेली को नियुक्त करने पर चर्चा की है। हालाँकि पटेल की स्थिति लगातार नाजुक होती जा रही है, फिर भी आने वाले हफ़्तों में अंतिम निर्णय बदल सकता है, जो ट्रंप के स्थिति के आकलन पर निर्भर करेगा। अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई के भारतवंशी निदेशक काश पटेल विवादों में घिर गए हैं। उन पर प्राइवेट टूर के लिए सरकारी जेट का उपयोग करने और गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को स्वाट कमांडो (स्पेशल वेपन एंड टेक्टिस) सुरक्षा देने के आरोप लग रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या वे करदाताओं के पैसों से मिलने वाले संसाधनों को निजी रिश्ते की खातिर खर्च कर रहे हैं। विवाद की शुरुआत अटलांटा में नेशनल राइफल एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन से मानी जा रही है। यहां एलेक्सिस ने श्द स्टार स्पैगल्ड बैनरश गाया था। उनकी सुरक्षा के लिए एफबीआई के स्थानीय फील्ड ऑफिस से स्वाट टीम के दो स्पेशल कमांडो भेजे गए थे, जो आमतौर पर घिरे मकानों पर कार्रवाई और बंधक छुड़ाने जैसे हाई रिस्क ऑपरेशन करते हैं।

27 साल की एलेक्सिस कंट्री सिंगर हैं, गन राइट्स की सपोर्टर भी हैं

विल्किंस 27 साल की उभरती कंट्री सिंगर हैं, जो देशभक्ति कंट्री पॉप गाने, गन राइट्स सपोर्ट और खुलकर मेगा पॉवर कपल

इमेज की वजह से पहले से विवादों में रही हैं। सोशल मीडिया पर वह कई बार ऐसे मैसेज के स्क्रीनशॉट शेयर कर चुकी हैं, जिनमें उन्हें खुदकुशी करने और श्गोली खानेश जैसी धमकियां दी गईं। उनका दावा है कि उनकी राजनीतिक छवि और एफबीआई चीफ काश पटेल से रिश्ता उन्हें निशाना बनाता है, और यही तर्क अब अतिरिक्त सुरक्षा के लिए दिया जा रहा है।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान, राष्ट्रपति पेश करेंगे 40 अरब का अतिरिक्त रक्षा बजट

ताइपे। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग–ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है। राष्ट्रपति चिंग–ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, श्यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।श उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है। लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे , लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था। उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे। 2026 तक सरकार रक्षा खर्च को 949.5 अरब ताइवान डॉलर (30.25 अरब डॉलर) तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह जीडीपी के 3.32 फीसदी के बराबर है, जो 2009 के बाद पहली बार 3 फीसदी की सीमा को पार कर गया है। औपचारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद अमेरिका कानून के मुताबिक ताइवान को आत्मरक्षा के साधन मुहैया कराने के लिए बाध्य है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके प्रशासन ने अब तक ताइवान को केवल एक नए हथियार की बिक्री को मंजूरी दी है। जो लड़ाकू जेट और अन्य विमान भागों के लिए 330 मिलियन डॉलर का पैकेज है, जिसकी घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। लाई ने लिखा, श्हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व के महत्व को स्पष्ट कर दिया है। ट्रंप प्रशासन की ताकत के जरिए शांति की कोशिशों की वजह से आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय ज्यादा सुरक्षित है। चीन की ओर से अलगाववादी घोषित किए जाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने चीन के साथ वार्ता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। लाई ने लिखा, श्हम इस समझ के साथ कि हमारा लोकतंत्र और स्वतंत्रता समझौता–योग्य नहीं है, दोनों देशों के बीच संवाद के अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

बांग्लादेश ने भारत से मांगी शेख हसीना की कस्टडी, नई दिल्ली के लिए कूटनीतिक संकट? देश में अवामी लीग का राष्ट्रव्यापी आंदोलन

बांग्लादेश ने औपचारिक तौर पर भारत से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा है, जिन्हें पिछले साल स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर कार्रवाई के लिए उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सज़ा सुनाई गई थी। अंतरिम विदेश मंत्री तौहीद हुसैन ने इस अनुरोध की पुष्टि की, जो द्विपक्षीय इतिहास में पहली बार हुआ है। पूर्व भारतीय राजदूत पिनाक चक्रवर्ती ने सुझाव दिया कि भारतीय अदालतें आखिरकार प्रत्यर्पण का फैसला कर सकती हैं,

जिससे नई दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण कानूनी और डिप्लोमैटिक सवाल खड़े हो गए हैं। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी ने मौत की सजा के विरोध में 30 नवंबर तक देशव्यापी आंदोलन और प्रतिरोध मार्च की मंगलवार को घोषणा की। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए ''मानवता के विरुद्ध अपराधों'' के लिए 17 नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने 78 वर्षीय अवामी लीग नेता को हिंसक दमन का ''मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार'' बताया, जिसमें सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। हसीना फिलहाल भारत में हैं, जबकि माना जा रहा है कि कमाल भी भारत में ही छिपा हुआ है। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट में, अवामी लीग ने आरोप लगाया कि न्यायाधिकरण का फैसला मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा हसीना और उनकी पार्टी को अगले साल फरवरी में होने वाले चुनाव से बाहर रखने के लिए एक राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है। अवामी लीग ने आईसीटी न्यायाधिकरण को अवैध करार देते हुए इसके फैसले को खारिज करते हुए और यूनुस के इस्तीफे की मांग करते हुए 30 नवंबर तक सभी जिलों और उपजिलों में विरोध प्रदर्शन और प्रतिरोध मार्च आयोजित करने की घोषणा की।

मूसलाधार बारिश ने मचाई भीषण तबाही, सुमात्रा द्वीप पर बाढ़–भूस्खलन से 17 की मौत, कई लापता

मेदान। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पिछले हफ्ते हुई मानसूनी बारिश की वजह से नदियों के बांध टूट गए। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी गांवों में कीचड़ भर गया, चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे भारी तबाही हुई। इन घटनाओं के बाद बचाव दल उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान के अनुसार बचावकर्मियों ने बुधवार तक सबसे ज्यादा प्रभावित सिबोल्गा शहर से कम से कम पांच शव बरामद किए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।